संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 257 शनिवार 19 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

विकास विरोधियों का भ्रष्टाचार...

बिहार और बंगाल चुनाव के लिए बीजेपी का मंत्र,पीएम मोदी की रैलियों से निकले संदेश

» पीएम मोदी का बिहार और पश्चिम बंगाल दौरा...

» 12,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात...

नई दिल्ली,18 जुलाई 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहें, जहां वे 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किए। प्रधानमंत्री मोदी अपने इस दौरे के दौरान बिहार के मोतिहारी और पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में जनसभाओं को भी संबोधित किए। पीएम मोदी बिहार में 7,200 करोड़ और पश्चिम बंगाल में 5,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ किए, जो क्षेत्र की कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे, रोजगार, ग्रामीण आजीविका और डिजिटल इनोवेशन को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री मोतिहारी (बिहार) में रेल, सड़क,आईटी, मत्स्य पालन और ग्रामीण विकास से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वे पटना, मोतिहारी, दरभंगा और मालदा टाउन को दिल्ली, लखनऊ जैसे शहरों से जोड़ने वाली चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। बिहार में अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं और पश्चिम बंगाल में अगले साल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ही जगह रैली की और उनकी तरफ से साफ संदेश दिया गया कि चुनाव में बीजेपी विकास पर फोकस करेगी और लोगों को विरोधियों के भ्रष्टाचार की याद दिलाएगी। बिहार के मोतिहारी और बंगाल के दुर्गापुर में पीएम मोदी की रैली से निकले ये संदेश

बंगाली अस्मिता से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक

पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने बंगाली अस्मिता को मुद्दा बनाया था और बीजेपी पर बाहरी पार्टी होने का आरोप लगाते हुए लगातार बीजेपी को घेरा था। बीजेपी बंगाल में अब लोगों को यह बता रही है कि बीजेपी बाहरी नहीं है। पीएम मोदी ने भी अपनी रैली से यह संदेश देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा बीजेपी सरकार ने ही दिया। वहीं बिहार में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का और इसकी सफलता का जिक्र किया। बीजेपी वैसे तो कहती रही है कि ऑपरेशन सिंदूर या कोई भी मिलिट्री ऑपरेशन राजनीति का विषय नहीं है लेकिन बिहार चुनाव के दौरान इसकी बात जरूर होगी। बिहार से बड़ी संख्या में लोग सेना में हैं और यहां पहले भी नैशनलिज्म का मुद्दा भी काम करता रहा है।

विकास की बात

पीएम ने दोनों ही रैलियों में विकास की बात की। जहां बिहार में उन्होंने एनडीए सरकार के विकास की बात की वहीं उन्होंने बंगाल में कहा कि टीएमसी सरकार बंगाल के विकास में दीवार बनकर खड़ी है। बीजेपी ने दोनों ही राज्यों में अभियान भी चलाया है और अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि केंद्र सरकार के कामों को घर घर तक पहुंचाएं और बताएं कि बीजेपी ही विकास कर सकती है। पीएम मोदी की रैली से यह संदेश निकला कि बीजेपी दोनों जगह चुनाव में इस मुद्दे पर आगे बढ़ेगी।

भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था

पीएम ने बिहार में लोगों को लालू राज की स्थिति की याद दिलाई और ये बताने की कोशिश की कि तब कितना भ्रष्टाचार होता थी। कानून-व्यवस्था की भी बात की। बीजेपी बिहार के हर चुनाव में 'जंगल राज' को मुद्दा बनाती रही है और इस बार भी यह अलग नहीं होगा। बंगाल में भी मोदी ने टीएमसी के 'गुंडा टैक्स' का जिक्र किया और यह आरोप लगाया कि टीएमसी के राज में बिजनेसमैन में डर का का माहौल है। मोदी ने बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा की भी बात की। बीजेपी यहां लगातार महिला सुरक्षा को मुद्दा बना रही है और बीजेपी के लिए चुनाव का भी यह एक बड़ा मुद्दा होगा।

युवाओं पर फोकस

पीएम ने बिहार और बंगाल दोनों जगह युवाओं पर फोकस किया। जहां बिहार में उन्होंने युवाओं के लिए अधिकर अवसरों का वादा किया और कहा कि केंद्र सरकार देशभर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी वहीं बंगाल में कहा कि युवाओं को अब दूसरे राज्यों में नौकरी ढूंढने के लिए बंगाल से पलायन करना पड़ रहा है।

छांगुर बाबा केस में 60 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा

ईडी को रेड के दौरान मिले कई अहम दस्तावेज

नई दिल्ली,18 जुलाई 2025 (ए)। ईडी की टीम ने छांगुर बाबा और उसके करीबियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक करीब 60 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का पता लगाया है। ये कार्रवाई बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी के दौरान की गई। इस जांच की शुरुआत एटीएस लखनऊ की एफ आई आर के आधार पर हुई थी, जिसमें गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आरोप लगाए गए थे।

ईडी की जांच में सामने आई ये चीजें

ईडी की जांच में सामने आया है कि छांगुर बाबा बलरामपुर की चांद औलिया दरगाह से अपना नेटवर्क चला रहा था। यहां अक्सर बड़े धार्मिक प्रोग्राम होते थे,जिनमें देश-विदेश से लोग शामिल होते थे। आरोप है कि छांगुर और उसके साथियों ने गरीब और दलित हिंदू परिवारों को निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाया। बता दें कि धर्मांतरण की जांच यूपी एटीएस कर रही है जबकि मनी लॉन्ड्रिंग की जांच ईडी कर रही है।

छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों के 22 बैंक खातों की जांच

ईडी ने छांगुर बाबा और उसके नेटवर्क से जुड़े 22 बैंक खातों की जांच की है। इन खातों में अब तक 60 करोड़ रुपये से ज्यादा की लेनदेन का पता चला है, जिसमें बड़ी रकम विदेशों से भेजी गई थी। ये पैसा सीधे छांगुर बाबा और उसके करीबी लोगों तक पहुंचा। रेड के दौरान ऐसे कई दस्तावेज और सबूत मिले हैं जिनसे ये साफ होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल महंगी प्रॉपर्टी खरीदने और उनके निर्माण में किया गया। ये सारी प्रॉपर्टी बाबा ने खुद के नाम पर न लेकर अपने करीबियों जैसे नवीन रोहरा और नीतू रोहरा के नाम पर खरीदी ताकि असली चेहरा छुपा रहे।

नसरीन की तीन मंजिला बुटीक सील

बता दें कि ईडी ने गुरुवार को बलरामपुर में नसरीन के तीन मंजिला बुटीक को सील कर दिया। नसरीन उत्तर प्रदेश में कथित धर्मांतरण मामले में आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की करीबी सहयोगी है। एटीएस ने इससे पहले दोनों को उत्तर प्रदेश और उसके बाहर धर्मांतरण में शामिल एक गुप्त नेटवर्क के कथित मास्टरमाइंड होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। ईडी ने बुधवार को छांगुर बाबा धर्मांतरण मामले में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

संक्षिप्त खबरें

डिजिटल अरेस्ट पर पहली बार सुनाया गया ऐतिहासिक फैसला

लखनऊ,18 जुलाई 2025(ए)। उत्तर प्रदेश में डिजिटल अरेस्ट मामले में पहली बार सजा सुनाई गई. राजधानी लखनऊ में महिला डॉक्टर से 85 लाख ठगने वाले एक ठग को कोर्ट द्वारा 7 साल की सजा दी गई। आपको बता दें कि खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर केजीएमयू की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सौम्या गुप्ता से 85 लाख रुपये ठगने वाले साइबर अपराधी देवाशीष को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। यह ऐतिहासिक फैसला स्पेशल सीजेएम कस्टम अमित कुमार ने सुनाया।

21 जुलाई को धर्मतला रैली में जाम पर हाई कोर्ट की सख्ती

कोलकाता,18 जुलाई 2025(ए)। तृणमूल कांग्रेस की 21 जुलाई की रैली से पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने ट्रैफिक को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कोलकाता पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि सोमवार को सुबह नौ बजे से 11 बजे तक मध्य कोलकाता और हाई कोर्ट तक जाने वाले रास्तों पर किसी भी प्रकार का ट्रैफिक जाम नहीं होना चाहिए। इस मामले में न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत में सुनवाई हुई।

सजा-ए-मौत में तीन अभियुक्तों को हाईकोर्ट ने बरी किया

कोलकाता,18 जुलाई 2025(ए)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने वर्ष 2014 में पत्नी की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए सुरोजीत देब और हत्याकांड में सहयोग करने वाले लिपिका पोद्दार और संजय विश्वास की मौत की सजा रद्द करते हुए तीनों को हत्या के आरोप से बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति देबांग्सु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने गुरुवार को दिए अपने फैसले में कहा कि हमारी राय में अभियोजन पक्ष आरोपों को इस तरह प्रमाणित करने में पूर्णतः विफल रहा है जिससे संदेह से परे तीनों की सजा सुनिश्चित की जा सके।

भारत-चीन रिश्तों में किसी तीसरे की कोई जगह नहीं:जयशंकर

नई दिल्ली,18 जुलाई 2025(ए)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से साफ शब्दों में कहा है कि भारत और चीन के रिश्तों में किसी तीसरे देश (पाकिस्तान) की दखलअंदाजी या उसके हितों की कोई जगह नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जयशंकर ने यह बात वांग यी के साथ 14 जुलाई को हुई मुलाकात में कही, जहां उन्होंने 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की घुसपैठ के बाद दोनों देशों के रिश्तों की दिशा पर चर्चा की। जयशंकर ने इस मुलाकात में खुशी जताई कि अक्टूबर 2024 में हुए समझौते के बाद भारतीय सेना ने डेपसांग और डेमचोक इलाकों में फिर से गश्त शुरू कर दी है।

स्थिर सीमा ही भारत-चीन रिश्तों की बुनियाद

यी से मुलाकात के दौरान जयशंकर ने कहा कि स्थिर सीमा ही भारत-चीन रिश्तों की बुनियाद है। विदेश मंत्री ने सुझाव भी दिया कि अब दोनों देशों की सेनाओं को तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि 2020 की गलवान झड़प और एलएसी पर घुसपैठ को 5 साल बीत चुके हैं। बता दें कि अभी भी दोनों तरफ करीब 50,000 सैनिक, टैंक और भारी हथियार तैनात हैं। जयशंकर ने वांग यी से यह भी कहा कि चीन को भारत के लिए

भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित करनी चाहिए और जरूरी सामानों पर निर्यात पाबंदियां नहीं लगानी चाहिए। हाल ही में चीन ने ऑटो इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट और पोटैशियम-नाइट्रोजन उर्वरकों पर निर्यात रोक लगाई थी, जिसका भारत पर असर पड़ा है।

जयशंकर ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाया

मुलाकात में जयशंकर ने साफ किया कि भारत-चीन रिश्तों को किसी तीसरे देश के इर्द-गिर्द नहीं घूमना चाहिए। यह बयान इसलिए अहम है, क्योंकि चीन पाकिस्तान को 81त्न सैन्य हथियार सप्लाई करता है। ये हथियार, जिनमें मिसाइल और विमान शामिल हैं,हाल ही में पाकिस्तान के ऑपरेशन सिंदूर में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुए। 13 जुलाई को एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि एससीओ का मकसद आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ना है।

अच्छे माहौल में हुई जयशंकर और वांग की मुलाकात

जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एक्शन ह्व सिक्योरिटी काउंसिल के प्रस्ताव 16050 के मुताबिक था। इस प्रस्ताव को पाकिस्तान, चीन और रूस समेत सभी देशों ने मंजूरी दी थी। यह प्रस्ताव आतंकवाद को वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता है और आतंक के जिम्मेदार लोगों को सजा देने की बात कहता है। जयशंकर और वांग यी की मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। दोनों नेताओं ने भारत-चीन रिश्तों को बेहतर करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई।

हिमाचल में आफत की बारिश

» बादल फटने और लैंडस्लाइड से 109 लोगों की मौत

» बिहार में बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत

» मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली,18 जुलाई 2025(ए)। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हुई है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हुई, जबकि तीन घायल हो गए। यात्रा गुरुवार को दिनभर के रोक दी गई है।

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

लैंड फॉर जॉब केस में नहीं मिली राहत

नई दिल्ली,18 जुलाई 2025(ए)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को लैंड फॉर जॉब केस में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। देश की शीर्ष अदालत ने सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जज एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। कोर्ट ने मामले में लालू यादव को निचली अदालत में पेशी से छूट भी दी।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका देकर की मांग

नई दिल्ली ,18 जुलाई 2025(ए)। कैश कांड में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के ऊपर महाभियोग की तलवार लटक रही है। माना जा रहा है कि सरकार की ओर से उनके खिलाफ संसद के आगामी मॉनसून सत्र में महाभियोग का प्रस्ताव लाया जा सकता है। इससे पहले अब जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच पैनल की उस रिपोर्ट को चुनौती दी है,जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया है। इतना ही नहीं, उन्होंने याचिका में सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआईसंजीव खन्ना की महाभियोग की सिफारिश को भी चुनौती दी है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने नकली खाद-बीज बेचने वालों को दी सख्त चेतावनी

भोपाल,18 जुलाई 2025(ए)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नकली खाद-बीज की समस्या से किसानों को निजात दिलाने के लिए बड़ा फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि नकली खाद-बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों की मदद के लिए सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया हुआ है। इस नंबर पर शिकायत कर किसान मदद प्राप्त कर सकते हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के एक्स हैंडल से शिवराज सिंह का वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में वह साफ तौर पर कहते नजर आ रहे हैं कि सरकार की तरफ से खाद-बीज बनाने वाली कंपनियों को काफी छूट दी जा चुकी है। अब सरकार ने सभी कंपनियों के लिए लाइसेंस और सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य कर दिया है। वीडियो में शिवराज सिंह यह भी कहते हैं कि किसान टोल फ्री नंबर पर शिकायत कर मदद ले सकते हैं।

तहखाना,गुप्त दरवाजे,विदेशी शराब का भंडार

मंगलुरु,18 जुलाई 2025 (ए)। कर्नाटक की मंगलुरु सिटी पुलिस ने एक ऐसे ठग को अरेस्ट किया है जिस पर अमीर लोगों को करोड़ों का चूना लगाने का आरोप है। जब पुलिस गुरुवार आधी रात को जेपीनामोगारू इलाके में रोहन सलदान्हा के घर पहुंची तो ठग के आलीशान मकान को देखकर पुलिस भी दंग रह गई। घर के अंदर कई सीक्रेट कमरे थे और ये ठग लूट के पैसों से ऐशो आराम की जिंदगी जी रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बड़े पैमाने पर फर्जी लोन और जमीन के सौदों के जरिए धनी व्यापारियों से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी और सहायक पुलिस आयुक्त रवीश नायक के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने रोहन को अरेस्ट किया।

दीवारों-अलमारियों के पीछे मिले सीक्रेट चेम्बर्स

रेड के दौरान पता चला कि रोहन ने अपने घर में काली कमाई को छिपाने के तमाम इंतजाम किए थे। पुलिस को वहां से 3-5 लाख रुपये मूल्य के दुर्लभ सजावटी पौधे, पुरानी शैंपेन, विदेशी शराब का भंडार और दीवारों-अलमारियों के पीछे छिपे हुए सीक्रेट चेम्बर्स मिले।कैमरों से इन पर नजर रखी जाती थी।

लोगों से बचने के लिए अपनाता था ये तरीका

रोहन लेनदारों से बचने के लिए सीक्रेट एक्जिट डोर का इस्तेमाल करता था। जांचकर्ताओं को उसके बेडरूम की दीवारों में लगे दरवाजे मिले जो भूमिगत गलियारों और छिपी हुई सीढ़ियों की ओर खुलते थे, जिससे वह बिना किसी की नजर पड़े निकल जाता था। इन सुविधाओं के जरिए वह अपने निगरानी कक्ष से आने-जाने वालों पर नजर रख सकता था और जरूरत पड़ने पर संपर्क से बच सकता था।

संपादकीय

ईओएल वाहनों को राहत

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर केंद्र के आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवम्बर तक स्थगित करने का फैसला किया है। दिल्ली में अब यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद,गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इसी साल एक नवम्बर से शुरू किया जाएगा। ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल चालित वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। इस फैसले का क्रियान्वयन शुरू होते ही जनाक्रोश बढ़ा तो दिल्ली सरकार को अहसास होने लगा कि यह फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी लगने लगा कि यह फैसला समय से पहले उठा लिया गया कदम है। क्रियान्वयन में परिचालनगत और ढांचागत चुनौतियां भी समझ आने लगीं। सरकार के हाथ-पांव फूलने लगे और उसने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) से ईओएल के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। इस पर सीक्यूएम ने समीक्षा बैठक करके इस फैसले पर फिलवक्त रोक लगाने का निर्णय लिया है। दरअसल, यह फैसला जब नवम्बर में लागू किया जाएगा तब भी दिल्ली सरकार को तमाम चुनौतियों का सामना करना होगा। एक तो यह क्रियान्वयन इतना सख्त है कि एक भी ईओएल बचने नहीं पाएगा। ऐसे में जब्ती होगी।पुराने वाहन से वाहन स्वामियों का भावनात्मक लगाव होता है, इसके अलावा कई वाहन स्वामी अपने वाहनों को अच्छे से मेंटेन करके रखते हैं और उन्हें लगता है कि उनके वाहन प्रदूषणकारी नहीं है,जो सच भी होता है,तो ऐसे में उनकी जब्ती उन्हें पच नहीं सकेगी। बीते दिनों इस फैसले के क्रियान्वयन के पहले ही दिन जिस तरह वाहन पेट्रोल पंपों पर जब्त करके वाहन स्वामियों को पैदल' कर दिया गया उससे खासा जनाक्रोश पनपा।वाहन स्वामियों के नजरिए से देखें तो उन्हें गलत नहीं कहा जा सकता। बेशक, प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर की जाने वाली किसी भी कवायद या नियम-कायदे को खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन सरकार को इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि नया वाहन खरीदने के लिए मध्यम या निम्न मध्यम वर्ग पर आर्थिक बोझ पडऩा तय है। नये वाहन के लिए ऋण आदि की सहूलियत दिया जाना जरूरी है। बिना इसके आने वाले समय में भी जनाक्रोश रोके नहीं रुकेगा।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक,दिन-दहाड़े हत्याएं,लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों,राजनेताओं,वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार,एक 60 वर्षीय महिला,एक दुकानदार,एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है। बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं,यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं,आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है। हाल ही में राजधानी पटना,मुजफ्फरपुर, दरभंगा,और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है,महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या,बलात्कार,अपहरण,और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन,अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा,तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए,न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं,जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

21 वीं सदी का भारत:विश्व व्यवस्था में एक निर्णायक आवाज

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

भारत का लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा और जीवंत माना जाता है। यहां की चुनाव प्रणाली को संविधान द्वारा सुनिश्चित की गई स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता की कसौटी पर खरा उतरना होता है। परंतु कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब लोकतंत्र को उसकी परिभाषा और नैतिकता पर कसौटी से गुजरना पड़ता है। ऐसा ही एक ऐतिहासिक अवसर वर्ष 1975 में आया, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय देते हुए देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को रद्द कर दिया। यह निर्णय भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ था, जिसने न केवल सत्ता की जवाबदेही को रेखांकित किया, बल्कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी ऐतिहासिक रूप से प्रतिष्ठित किया।21 वीं सदी का भारत विश्व व्यवस्था में एक निर्णायक आवाज। 21वीं सदी का आगमन केवल एक कालखंड का बदलाव नहीं था, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन के पुनः परिभाषित होने की शुरुआत थी। इस सदी में भारत का उभार केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति के रूप में नहीं देखा जा रहा है, बल्कि एक ऐसी नैतिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में सामने आया है,जो वैश्विक राजनीति, विकासशील राष्ट्रों की आकांक्षाओं, पर्यावरणीय न्याय,तकनीकी लोकतंत्र और बहुपक्षीय कूटनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। आज भारत न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है, बल्कि वह नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में एक केंद्रीय स्तम्भ के रूप में उभर रहा है। भारत की इस भूमिका की नींव उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों में निहित है, जिसे वह सदियों से विश्व को देता आया है वसुधैव कुटुम्बकम् (संपूर्ण विश्व एक परिवार है) की भावना। आज जब विश्व अनेक संकटों से जूझ रहा है - चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, जलवायु परिवर्तन हो, या वैश्विक मंदी की आशंका भारत ने अपने संतुलित और संवादप्रधान रुख से यह सिद्ध कर दिया है कि वह संघर्षों में पक्षधर नहीं,बल्कि समाधानकर्ता बनकर खड़ा है। भारत की इस नीति को उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कहा गया, जिसे रूस से ऊर्जा आयात के मामले में और पश्चिमी देशों से कूटनीतिक रिश्तों में संतुलन बनाकर सफलतापूर्वक निभाया गया। भारत की वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका को सबसे स्पष्ट रूप से देखा गया जी-20 की अध्यक्षता के दौरान। वर्ष 2023 में जब भारत ने जी-20 का नेतृत्व किया,तो उसने एक पृथ्वी,एक परिवार,एक भविष्य का मंत्र दिया,जो केवल एक नारा नहीं था,बल्कि एक वैचारिक दृष्टिकोण था,जो भविष्य की वैश्विक साझेदारी का खाका प्रस्तुत करता है। जी-20 के अंतर्गत वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को प्रमुखता देने, अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलवाने, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को बढ़ावा देने और जलवायु न्याय जैसे विषयों को मजबूती से रखने का काम भारत ने किया। यह दर्शाता है कि भारत केवल अपने लिए नहीं,बल्कि उन देशों के लिए भी सोचता है जो वर्षों से वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं से बाहर रहे।भारत की तकनीकी क्षमता और डिजिटल सशक्तिकरण मॉडल भी आज पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। चाहे वह आधार जैसी डिजिटल पहचान हो, यूपीआई जैसी भुगतान प्रणाली हो, या फिर कोविन जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत ने यह सिद्ध किया है कि तकनीक केवल संपन्न देशों का औजार नहीं है,बल्कि वह विकासशील देशों की भी पूंजी बन सकती है। आज अनेक देश भारत से यूपीआई जैसी तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे भारत वैश्विक डिजिटल लोकतंत्र के निर्माता के रूप में सामने आया है। भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका में एक और महत्वपूर्ण पहलू है भू-राजनीतिक कूटनीति में उसकी विश्वसनीयता। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका, रूस, फ्रांस, इजराइल,खाड़ी देशों, जापान और दक्षिण एशियाई देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को संतुलित और परिपक्व बनाया है। यह बहुस्तरीय कूटनीति भारत को एकमात्र ऐसा राष्ट्र बनाती है, जो पश्चिम और पूर्व,उत्तर और दक्षिण सभी के बीच संवाद का पुल बन सकता है। जब संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हों,तब भारत एक मध्यस्थ लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में अधिक प्रभावशाली बनकर उभरता है। आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति वैश्विक मंच पर निर्णायक होती जा रही है। हाल ही में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया। विश्व बैंक,आईएमएफ और ओईसीडी जैसी संस्थाओं ने भी भारत की आर्थिक संभावनाओं को आने वाले दशकों के लिए सबसे मजबूत बताया है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया,पीएलआई स्कीम जैसी योजनाओं ने निवेशकों के बीच विश्वास पैदा किया है कि भारत अब केवल एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक उत्पादक शक्ति भी है। भारत की ऊर्जा नीति और जलवायु परिवर्तन पर उसकी स्थिति भी अब वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है। भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय लक्ष्यों से अधिक तीव्रता से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि की है। इंटरनेशनल सोलर अलायंसजैसे संगठनों की स्थापना कर भारत ने यह साबित किया है कि वह केवल समस्या की बात नहीं करता, समाधान भी देता है। इस वैश्विक नेतृत्व में भारत की सोच समावेशी है। वह पश्चिमी राष्ट्रों की तरह अपनी बात थोपता नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलता है।

भारत की सैन्य स्थिति और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन में केवल एक संख्या नहीं,बल्कि एक नीति-निर्माता है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री नीति, चीन की बढ़ती गतिविधियों पर निगरानी, क्यूयूएडी जैसे संगठनों में सहभागिता और रणनीतिक साझेदारी ये सभी इस बात को रेखांकित करते हैं कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, वह एक वैश्विक सामरिक ताकत बन चुका है।

21वीं सदी में वैश्विक नैतिकता,तकनीकी न्याय और मानवता वादी नीतियों की आव श्यकता पहले से अधिक हो गई है। भारत की सभ्यता- संस्कृति, उसकी लोकतांत्रिक परंपरा और सबको साथ लेकर चलने की नीति उसे इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। भारत ने न तो उपनिवेश बनाए, न ही विस्तारवादी युद्ध लड़े। वह आज भी सबको जोड़ने, सहेजने और साथ चलने की बात करता है। यही कारण है कि आज वैश्विक मंच पर भारत को केवल सुना नहीं जा रहा, बल्कि माना भी जा रहा है।

इस सबके बीच भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं-जैसे आंतरिक सामाजिक समरसता बनाए रखना, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार और रोजगार के अधिक अवसर उत्पन्न करना। यदि भारत इन आंतरिक मोर्चों को संतुलित रखता है, तो वह न केवल 21 वीं सदी में विश्व व्यवस्था की आवाज़ बन सकता है,बल्कि विश्व व्यवस्था का स्वरूप भी बदल सकता है।

इस सदी की वैश्विक व्यवस्था अब एकध्रुवीय या द्विध्रुवीय नहीं रहेगी। यह एक ऐसे बहुध्रुवीय वैश्विक समाज की ओर अग्रसर है, जिसमें नैतिक नेतृत्व, प्रौद्योगिकीय समावेशन और समरसता-प्रधान कूटनीति की आवश्यकता होगी। भारत में ये तीनों विशेषताएँ मौजूद हैं।और यही कारण है कि 21वीं सदी भारत की सदी हो सकती है एक ऐसी सदी जिसमें भारत न केवल विश्व व्यवस्था का भागीदार हो, बल्कि उसका मार्गदर्शक भी हो।

गरीब देशों की महामारी?

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग

भारत जैसे कई विकासशील देशों में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल,केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही है इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा है। अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका,ब्रिटेन,जापान चीन,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे,इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54 प्रतिशत अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50त्न से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2013 से 2021 के बीच देश के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा 17 फ़ीसदी बढ़ी है, राहत की बात यह है कि अब भी भारत का उत्सर्जन स्तर जी-20 देशों के औसत स्तर से बहुत नीचे है। देश में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 11त्न की है, भारत की कुल ऊर्जा आपूर्ति में जीवाश्म ईंधन आधारित प्लांट का योगदान 74 प्रतिशत है। यदि कार्बन उत्सर्जन को रोका नहीं गया और जीवाश्म ईंधन के उपयोग की रफ्तार यही रही तो भारत सहित विश्व के अधिकांश देश अपनी धरती को बचाने में सक्षम नहीं होंगे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

यू-आकार की कक्षा में बैठने से गर्दन में दर्द हो सकता है

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

मलयालम फिल्म,स्थानार्थी श्रीकुट्टन में चरमोत्कर्ष दृश्य से एक क्यू लेते हुए, दक्षिण भारत के कई स्कूल कक्षाओं में यू-आकार के बैठने की व्यवस्था को अपना रहे हैं। कर्नाटक की एक बाल अधिकार कार्यकर्ता नरसिम्हा राव ने राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बांगरप्पा से औपचारिक अनुरोध किया है,जिसमें अर्ध-परिपत्र बैठने के पैटर्न को लागू करने का आग्रह किया गया है। राव ने जोर देकर कहा कि यह बैठने का विन्यास छात्रों के बीच समावेशिता और समान भागीदारी को बढ़ावा देता है,इसके अलावा पीठ की बेंच को खत्म करता है। हालांकि,डॉक्टर इस तरह के बैठने की व्यवस्था के कारण मस्कुलोस्केलेटल और आर्थोपेडिक स्वास्थ्य के बारे में चिंता जताते हैं। 10-12 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों के लिए,लंबे समय तक पाठ के दौरान मुड़े हुए सिर के साथ बैठने से मांसपेशियों के मुद्दे

और गर्दन में दर्द हो सकता है। डॉ. अंकुश गर्ग ने कहा, चिंता 10-16 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए अधिक प्रासंगिक है, जब अकादमिक मांग तेज होती है, तो लंबे समय तक बैठे अध्ययन की आवश्यकता होती है बैठने की व्यवस्था शिक्षकों को भी प्रभावित कर सकती है। यह उन शिक्षकों पर संभावित शारीरिक तनाव पैदा करता है जिन्हें छात्रों के साथ आंखों के संपर्क को बनाए रखने के लिए अपने शरीर को बार-बार मोड़ने की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त,शिक्षक के करीब बैठे छात्र आगे की तुलना में बेहतर सुनते हैं, डॉ अंकुश गर्ग ने कहा हालांकि, उन्होंने बताया कि यह छोटे बच्चों को प्रभावित नहीं कर सकता है - जिनकी आयु 5-10 वर्ष है - जितना कि उनकी रीढ़ काफी लचीली है और उनकी मांसपेशियां अभी भी विकसित हो रही हैं। एक पूर्व बैकबेंचर, डॉ। एक बाल रोग विशेषज्ञ का मानना है कि यू-आकार की बैठने की व्यवस्था संभावित रूप से अपवर्तक त्रुटियों को याद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक बैठने की व्यवस्था के कई फायदे हैं। पीठ पर बैठे बच्चे जो बोर्ड को पढ़ने के लिए संघर्ष करते हैं,उन्हें अक्सर शुरुआती नेत्र परीक्षण मिलते हैं। पढ़ने में कठिनाई की उनकी स्व-रिपोर्टिंग अक्सर आंखों की परीक्षाओं का संकेत देती है। मॉन्टेसरी सेटिंग्स में, जहां छात्र टेबल के चारों ओर बैठते हैं,अपवर्तक त्रुटियां किसी का ध्यान नहीं जा सकती हैं क्योंकि दूरी दृष्टि की कम आवश्यकता है। डॉ। अंकुश गर्ग ने कहा कि इस बैठने की व्यवस्था को शुरू करने वाले स्कूलों में बच्चे समय-समय पर सिर हिला सकते हैं,डॉ। अंकुश गर्ग ने सुझाव दिया कि शिक्षक भी प्रत्येक अवधि के बाद बच्चों को अपनी सीट बदलने पर विचार कर सकते हैं बैठने की प्रणाली ने अपनी सीमाओं के बावजूद शिक्षकों और विद्यार्थियों से समान रूप से समर्थन प्राप्त किया है।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में शाला प्रवेश उत्सव एवं सायकिल वितरण समारोह संपन्न

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर में शाला प्रवेश उत्सव एवं सायकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी छात्राओं का पारंपरिक तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर स्वागत करने के साथ हुई। इस अवसर पर छात्राओं को पुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए गए। सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही सरस्वती सायकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को सायकिल का वितरण किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने छात्राओं को प्रेरणादायक आशीर्वचन दिए एवं विद्यालय में प्रार्थना स्थल हेतु शेड के पुनर्निर्माण की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि श्री अम्बिकेश केशरी, ने विद्यालय के उत्तम संचालन की सराहना करते हुए छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। पार्षद श्री शैलेष सिंह ने विद्यालय की गतिविधियों की सराहना की। एसएमडीसी अध्यक्ष श्री नकुल सोनकर ने विद्यालय की समस्याओं के निराकरण एवं बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता गुप्ता (एमआईसी सदस्य), समाजसेवी श्री संजय अग्रवाल, महामंत्री श्री संजू वर्मा तथा एसएमडीसी के सदस्यगण श्री आशीष सिंह राजपूत, श्री हरविन्दर सिंह बावरा, श्री दीपक सोनी, श्री अंकित तिर्की, श्रीमती सीमा कश्यप एवं श्रीमती शालिनी सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. एल. मिश्र एवं समस्त विद्यालयीन स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता दास एवं आभार प्रदर्शन सुश्री शशि असाटी द्वारा किया गया।

अवैध महुआ शराब पर कार्रवाई करने पहुंचे आबकारी विभाग के कर्मचारियों पर अवैध वसूली का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

लखनपुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का सरगुजा संभाग आदिवासी बहुल क्षेत्र है जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग निवास करते हैं। आदिवासी जनजाति के लोग तीज त्योहारो खेती-बाड़ी के समय हर मौके पर शराब सेवन करते हैं। यही नहीं सरकार के द्वारा इन्हें शराब बनाने के लिए भी छूट दी गई है। आबकारी विभाग के टीम के द्वारा इन आदिवासी जनजाति के घरों में जबरन घुसकर अवैध महुआ शराब में कार्रवाई की धमकी देकर अवैध वसूली किया जाता है। कुछ ऐसा है मामला सरगुजा जिले के आदिवासी बहुल ग्राम में देखने को मिला। दरअसल पूरा मामला सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड के पहुंच ग्राम सेलरा देव भूडू लब्जी का है। 17 जुलाई दिन गुरुवार की दोपहर आबकारी विभाग की टीम इन गांवों में अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची हुई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कृषि कार्य में सभी ग्रामीण खेत में कार्य कर रहे थे वहीं आबकारी विभाग की टीम जबरन घर में घुसकर अवैध महुआ शराब जांच कर रही थी यही नहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग के कर्मचारियों के द्वारा अवैध वसूली भी किया गया है। जो आज लखनपुर क्षेत्र में जन चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं ग्रामीणों की सूचना पर जब स्थानीय मीडिया की टीम मौके पर पहुंची तो आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी भागने लगे और मीडिया कर्मियों ने वाहन रोक रुकवा कर अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पूछताछ किया तो उन्हें गोलमोल जवाब दिया और किसी भी प्रकार की जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया गया।

हत्या के आरोपी की सूचना देने पर एसपी ने रखा 5 हजार रुपए का इनाम

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजपुरी कला,खजूरपारा में 29 से 30 अप्रैल के मध्य हुई हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आमजन से सहयोग की अपील की है। प्रार्थी गोलू राजवाड़े ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मां मुनेश्वरी उर्फ आशा राजवाड़े की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। इस पर थाना लखनपुर में धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस रेग्युलेशन के पैरा 80-ए के तहत कार्रवाई करते हुए घोषित किया है कि जो कोई व्यक्ति आरोपी के बारे में सूचना देगा जिससे उसकी गिरफ्तारी संभव हो सके, उसे 5 हजार का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और पुरस्कार वितरण का अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक, सरगुजा द्वारा किया जाएगा। पुलिस ने जनता से अपील की है कि इस जघन्य अपराध की गुत्थी सुलझाने में सहयोग करें।

सौर ऊर्जा के माध्यम से जल,प्रकाश एवं कृषि में आ रहा सकारात्मक बदलाव

- ग्रामीण क्षेत्रों में सौर संयंत्रों से हो रहा सर्वांगीण विकास
- 'सौर समाधान ऐप' के माध्यम से मिली सूचना पर तत्काल कार्यवाही

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा जल जीवन मिशन,सिंचाई सुविधा और रात्रिकालीन रोशनी की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। सरगुजा जिले के डांडगांव में 13 सोलर ड्यूल पंप स्थापित कर ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा दी गई है। जिससे ग्रामीणों के घर पर ही स्वच्छ पेयजल मिल रहा है।

वहीं, गांव में 4 सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापित कर रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। क्रेडा द्वारा राज्य के मैदानी और अंदरूनी इलाकों में सोलर ड्यूल पंप,सोलर हाईमास्ट एवं सोलर सिंचाई पंपों की स्थापना कर ग्रामीणों की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति की जा रही है। संयंत्रों की अकार्यशीलता की सूचना मिलने पर 'सौर समाधान एप' के माध्यम से तत्काल कार्यवाही कर संयंत्रों को पुनः क्रियाशील बनाया जा रहा है। क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश सिंह राणा द्वारा परियोजनाओं की सतत निगरानी कर गुणवत्ता पूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जा रहा है। सीईओ श्री राणा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि क्रेडा केवल संयंत्र स्थापित करने वाली संस्था न होकर सेवा की निरंतरता और जनविश्वास की संरक्षक संस्था है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन और दूरदृष्टि परिणाम स्वरूप जिले के सुदूर अंचल सहित समूचे राज्य में सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा है। अब तक सरगुजा संभाग में लगभग 8848 सोलर सिंचाई पंपों की स्थापना पूर्ण की जा चुकी है। साथ ही जल जीवन मिशन के अंतर्गत 4094 से अधिक सोलर पेयजल पंप स्थापित किए गए हैं। इन योजनाओं से न सिर्फ ग्रामीणों को राहत मिल रही है, बल्कि आत्मनिर्भरता स्वच्छ पेयजल की सुविधा भी सुलभ हुई है।

अंबिकापुर में साइबर ठगी के दो मामलों में म्यूल अकाउंट से जुड़े आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के कोतवाली थाना पुलिस ने साइबर ठगी के दो बड़े मामलों में म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करने वाले आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची के आधार पर पुलिस ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए म्यूल अकाउंट और फर्जी मोबाइल नंबरों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस क्रम में,पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के तहत जांच और कार्रवाई चल रही है। पहला मामला गगन अग्रवाल से जुड़ा है, जो महावीर वार्ड 17,प्रतापपुर रोड के निवासी हैं। गगन ने पुलिस को बताया कि आरोपी अमित मिश्रा उर्फ पहलू,जो सत्तीपारा का निवासी है, उससे ठेकेदारी में मुंशी का काम कराने के नाम पर सीम कार्ड, एटीएम कार्ड,पासबुक और चेकबुक मांगी थी। हालांकि,बाद में न तो मुंशी का काम दिया गया और न ही गगन को उसके कार्ड व पासबुक वापस किए गए। जब गगन ने इन्हें वापस मांगा,तो आरोपी ने हमेशा बहाना बना दिया। जांच में पाया गया कि अमित मिश्रा ने इन कार्ड्स का इस्तेमाल करके गगन के खाता से अवैध लेन-देन किया। इस मामले में म्यूल अकाउंट से संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने पाया कि इस खाता धारक का उपयोग देश के पांच अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी के लिए किया गया था।

पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी गिरोह ने सुनियोजित तरीके से ओवरसीज बैंक खाते का इस्तेमाल कर अवैध धन अर्जित करने का प्रयास किया। दूसरा मामला विरेन्द्र कुमार मालाकार से जुड़ा है,जो महुआपारा,थाना गांधीनगर के निवासी हैं। विरेन्द्र ने पुलिस को बताया कि उनके साले का बेटा, सचिन कुमार, जो झारखंड के ग्राम मझियाव का निवासी है, 2016-17 में पढ़ाई करने के लिए उनके पास अंबिकापुर आया था। कोरोना काल के दौरान स्कूल बंद होने के कारण सचिन को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल और सीम कार्ड की आवश्यकता हुई।

20 जुलाई को आयोजित होगी उप अभियंता भर्ती परीक्षा,उड़नदस्ता एवं पर्यवेक्षक नियुक्त

कलेक्टर ने दिया व्यापम गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने का निर्देश

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आयोजित उप अभियंता (सिविल/विद्युत/यांत्रिकी) भर्ती परीक्षा आगामी 20 जुलाई 2025, रविवार को अम्बिकापुर के पाँच परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय प्रातः 10:00 बजे से 12:15 बजे तक निर्धारित है। इस परीक्षा में कुल 1985 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन, पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने हेतु कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार उड़नदस्ता दल एवं परीक्षा केंद्रवार पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

उड़नदस्ता दल में नियुक्त अधिकारी : श्री उमेश्वर सिंह बाज,तहसीलदार - परीक्षा केंद्र- राजीव गांधी शासकीय पी.जी. कॉलेज,श्री जयेन्द्र सिंह,अतिरिक्त तहसीलदार,परीक्षा केंद्र- राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय व पॉलिटेक्निक कॉलेज,श्री जयेश कवंर,नायब तहसीलदार परीक्षा केंद्र- मल्टीपरपज उ.मा.वि. व कन्या उ.मा.वि. (गुरुद्वारा के पास)

परीक्षार्थियों के लिए विशेष निर्देश : परीक्षा प्रारंभ से 2 घंटे पहले केंद्र पर पहुँचना अनिवार्य है। परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पूर्व (9:45 बजे) केंद्र का प्रवेश द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी केवल हल्के रंग के आधी बाँह वाले कपड़े और चप्पल पहनकर आएं। गहने, घड़ी,पर्स,मोबाइल,बैग,स्कार्फ,टोपी,बेल्ट आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले से लेकर परीक्षा समाप्ति तक अंतिम आधे घंटे तक किसी भी परीक्षार्थी को बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। कलेक्टर ने समस्त केन्द्राध्यक्षों, परीक्षा पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा व्यापम गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य होगा। सभी पर्यवेक्षक परीक्षा दिनांक को प्रातः 8:00 बजे तक जिला कोषालय स्थित स्ट्रॉंग रूम से गोपनीय सामग्री प्राप्त कर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार परीक्षा उपरांत सामग्री जमा करेंगे।

पर्यवेक्षकों की नियुक्ति एवं परीक्षा केंद्र

श्री एस. तिग्गा, सीईओ, अंत्यावसायी निगम केन्द्र- राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज, केन्द्राध्यक्षः डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव, श्री राजेश कुमार राय, व्याख्याता - केन्द्र- राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय, केन्द्राध्यक्ष- श्रीमती इजेन टोप्पो, श्री कृष्ण कुमार सिंह, व्याख्याता - केन्द्र- पॉलिटेक्निक कॉलेज, केन्द्राध्यक्षः श्री आर.जे. पाण्डेय, श्री योगेन्द्र चौबे, व्याख्याता दृ केन्द्र- मल्टीपरपज विद्यालय, केन्द्राध्यक्षः श्री के.के. राय, श्री ओंकार नाथ तिवारी, व्याख्याता, डाईट - केन्द्रः कन्या उ.मा.वि., गुरुद्वारा रोड, केन्द्राध्यक्षः श्री आर.एल. मिश्रा

व्यापम गाइडलाइन के पालन हेतु कलेक्टर के निर्देश

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने परीक्षा के दौरान पूर्ण पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु व्यापम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर और मैन्युअल तलाशी की व्यवस्था रहेगी। एक पुरुष व एक महिला पुलिसकर्मी की ड्यूटी रहेगी जो परीक्षा शुरू होने से ढाई घंटे पहले उपस्थित रहेंगे। महिला परीक्षार्थियों की जांच केवल महिला पुलिसकर्मी द्वारा की जाएगी। पुलिस बल परीक्षा केंद्र के अंदर और बाहर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगा।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली कार्य में लापरवाही पर खाद्य निरीक्षक निलंबित

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संदिग्ध राशन कार्डों के भौतिक सत्यापन का कार्य जारी है। इस क्रम में खाद्य निरीक्षक श्री सतपाल सिंह कंवर, अम्बिकापुर (शहरी) को 15 जुलाई 2025 तक सत्यापित जानकारी विभागीय वेबसाइट में दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। किन्तु,विगत तीन दिवसों में श्री कंवर द्वारा प्रस्तुत कार्य प्रगति अत्यंत असंतोषजनक पाए जाने पर उन्हें 16 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उनके द्वारा प्रस्तुत उत्तर अशोभनीय एवं अस्वीकार्य पाया गया, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है। उक्त कृत्य को पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता मानते हुए कलेक्टर सरगुजा द्वारा श्री सतपाल सिंह कंवर को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण,नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1)(क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत क्लब फूट पाव फिरा के बच्चों हेतु निःशुल्क शिविर का हुआ आयोजन

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला चिकित्सालय,मातृत्व शिशु अस्पताल परिसर में संचालित डीईआईसी (जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र) में क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट (एनजीओ) के सहयोग से एक दिवसीय क्लबफुट पावफिरा टेडेमेडे पैर के बीमारी से ग्रसित बच्चों हेतु शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पी.एस. मार्को के मार्गदर्शन में शिविर में क्लबफूट पावफिरा (मुड़ा पैर) के विकृति वाले बच्चों का निःशुल्क प्लास्टर किया गया तथा क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट के तरफ निःशुल्क जूता दिया गया। संबंधित विशेषज्ञों द्वारा 102 बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण एवं उपचार किया गया। जिसमें क्लब फुट के 42 बच्चों का परिक्षण कर 20 बच्चों का प्लास्टर और 22 बच्चों को जूता दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रबंधक डॉ. पुष्पेंद्र राम,आरबीएसके नोडल अधिकारी डॉ. श्रीकांत, डीईआईसी प्रबंधक कमल नारायण सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ गिरीश पैंकरा, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. दीक्षा सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. आकांक्षा कौशल, डेंटल सर्जन डॉ. सुप्रिया टोप्पो, स्पेशल एजुकेटर नीरज कुमार साहू, सोशल वर्कर गीता चतुर्वेदी, डेंटल टेक्नीशियन मुकेश यादव, स्टॉफ नर्स सपना चौधरी, ऑप्टोमेट्रिस्ट ज्ञानलता तिग्गा, अटेन्डर अजय कुमार का शिविर में योगदान रहा।

सोलह वर्षीय किशोरी हुई सर्पदंश का शिकार,हुई मौत,जांच में जुटी पुलिस

लखनपुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 16 वर्षीय किशोरी की सर्प दंश से मौत हो गई इधर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू की है। 18 जुलाई दिन शुक्रवार की शाम लगभग 4:00 बजे पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक संगीता पिता स्वर्गीय राम बरत उम्र 16 वर्ष वार्ड क्रमांक 15 शिवपुरी नगर पंचायत लखनपुर निवासी जो 16 जुलाई की रात खाना खाकर अपने बहनों के साथ घर के जमीन पर सोई थी।16 और 17 जुलाई की मध्य रात्रि 2 बजे सांप के काटने से कान से खून निकलने लगा और किशोरी रोने लगी। परिजनों ने किशोरी को उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लाया गया जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया जिला अस्पताल से परिजनों के द्वारा उसे अंबिकापुर मिशन अस्पताल उपचार हेतु ले जाया गया मिशन अस्पताल में उपचार के बाद गंभीर स्थिति में 16 वर्षीय किशोरी संगीता को उपचार हेतु रायपुर रिफर किया गया 17 व 18 जुलाई की मध्य रात्रि लगभग 3 बजे रायपुर ले जाने के दौरान लखनपुर थाना क्षेत्र के नवापारा पहुंचने पर किशोरी की मौत हो गई। परिजनों के द्वारा उसे लखनपुर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत किया और पुलिस को सूचना दी। लखनपुर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराकर दोपहर 3:00 बजे परिजनों को सुपुर्द किया है साथ ही मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

कुदारीडीह के जंगल पारा में शासकीय प्राथमिक शाला का भवन निर्माण कार्य प्रारंभ,2 अक्टूबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य

विगत दिनों कलेक्टर ने निरीक्षण कर स्कूल भवन निर्माण करने के दिए थे निर्देश

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मैनपाट विकासखंड के अति दूरस्थ ग्राम पंचायत कुदारीडीह के जंगलपारा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का विगत दिनों कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की स्थिति एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी पर ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ को विद्यालय में तीन कक्षों एवं एक शौचालय निर्माण कार्य का शीघ्र लेआउट तैयार कर तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में आज दिनांक 18 जुलाई से विद्यालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। निर्माण कार्य का लक्ष्य 2 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण करना निर्धारित किया गया है। कार्य की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु यह निर्माण ग्राम पंचायत सरपंच एवं ग्रामवासियों की निगरानी में किया जा रहा है। कलेक्टर ने बच्चों से सीधे संवाद कर पढ़ाई और स्कूल की सुविधाओं की जानकारी ली थी तथा आश्वस्त किया था कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। विद्यालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ होने से बच्चों एवं अभिभावकों के चेहरे पर संतोष और उत्साहित हैं और शिक्षा के प्रति उनका विश्वास और लगाव और अधिक मजबूत हुआ है।

C M Y K

किम-जोंग का ड्रीम रिसॉर्ट रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से बंद

11 साल में बनकर तैयार हुआ था,25 दिन पहले ही खोला गया

प्योंगयांग,18 जुलाई 2025। उत्तर कोरिया ने अपने मशहूर वॉनसन-काल्मा बीच रिसॉर्ट को विदेशी पर्यटकों के लिए अचानक बंद कर दिया है। उत्तर कोरिया सरकार इस रिसॉर्ट के जरिए विदेशी टूरिस्ट्स को लुभाकर अपने फॉरेन करेंसी रिजर्व को बढ़ाना चाहती थी। यह रिसॉर्ट को नार्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन का ड्रीम प्रोजेक्ट था। अब इसके अचानक बंद होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। वॉनसन-काल्मा बीच रिसॉर्ट उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर बसा एक शानदार टूरिस्ट स्पॉट है। इसे 2014 में बनाना शुरू किया गया था। यह उत्तर कोरिया का हवाई कहा जाता था। इसे 24 जून को लोकल टूरिस्ट्स के लिए खोला गया था। रिसॉर्ट में लग्जरी होटल, समुद्र तट, वाटर पार्क और शॉपिंग सेंटर जैसी सुविधाएं हैं। इस रिसॉर्ट में एक साथ लगभग 20,000 लोग ठहर सकते हैं।

रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से बंद हुआ रिसॉर्ट

उत्तर कोरिया की आधिकारिक टूरिज्म वेबसाइट डीपीआर कोरिया टूर ने बिना कोई ठोस कारण बताए कहा कि रिसॉर्ट अस्थायी रूप से बंद किया गया है,लेकिन कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है कि एक रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से इसे बंद करना पड़ा है। दरअसल ये पत्रकार रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ रिसॉर्ट गया था और उसने बताया कि वहां मौजूद पर्यटक असल टूरिस्ट्स नहीं हैं, बल्कि इन्हें सरकार ने भेजा था। इस खुलासे के बाद उत्तर कोरिया की साख को नुकसान पहुंचा था। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि रिसॉर्ट को चलाने में भारी खर्च आ रहा था। अगर विदेशी सैलानी नहीं आएंगे, तो रूबल, युआन या डॉलर जैसी विदेशी मुद्रा नहीं मिलेगी। इससे रिसॉर्ट को चलाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा,हो सकता है कि रिसॉर्ट को पूरी तरह तैयार करने या कुछ और आंतरिक कारणों से ये फैसला लिया गया हो।

यात्रा की लागत से भी मुश्किलें : वहीं, साउथ कोरिया के कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एक्सपर्ट ओह ग्योंग-सियोब का कहना है कि उत्तर कोरिया ने विदेशी पर्यटकों को रिसॉर्ट में आने की इजाजत देने से होने वाले नकारात्मक परिणामों के डर से यह फैसला लिया। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस रोक का रूसी पर्यटकों पर खास असर नहीं पड़ेगा, लेकिन दूरी और यात्रा की लागत की वजह से यहां रूसी पर्यटकों को आकर्षित करना मुश्किल हो सकता है।

महंगे निर्माण के बाद आर्थिक दबाव में उत्तर कोरिया

रिजॉर्ट को बनाने में उत्तर कोरिया ने भारी खर्च किया है। वॉन्सन-काल्मा परियोजना देश की सबसे बड़ी पर्यटन योजनाओं में से एक मानी जाती है। दक्षिण कोरिया के थिंक टैंक वर्ल्ड इंस्टिट्यूट फॉर नॉर्थ कोरियन स्टडीज के प्रमुख आन चान-इल का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया विदेशी पर्यटकों को यहां आने नहीं देगा, तो उसे आर्थिक घाटा सहना पड़ेगा। विदेशी मुद्राओं जैसे रूबल, युआन और डॉलर की आमद न होने पर सरकार को रिजॉर्ट बंद भी करना पड़ सकता है।

रिजॉर्ट पर किम जोंग उन की खास नजर

किम जोंग उन ने इस रिजॉर्ट को साल की सबसे बड़ी सफलता और देश में पर्यटन के विकास की गर्व की पहली सीढ़ी बताया था। सरकारी मीडिया के अनुसार, यह जगह उत्तर कोरियाई पर्यटकों से भरी हुई है। हालांकि, अभी भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की वापसी को लेकर उत्तर कोरिया ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है।

कोविड के बाद धीरे-धीरे खुल रही सीमाएं

उत्तर कोरिया ने कोविड-19 महामारी के समय से अपनी सीमाएं बंद कर रखी थीं। हाल ही में उसने सीमित संख्या में विदेशी नागरिकों के प्रवेश की अनुमति दी है। फरवरी 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक समूह को रासन शहर जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन वह कार्यक्रम एक महीने से भी कम समय में रद्द कर दिया गया। चीनी टूर ग्रुप्स, जो महामारी से पहले कुल पर्यटकों का 90% हिस्सा थे,अभी भी शुरू नहीं हुए हैं।

अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 70% गिरी

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025।

अमेरिका में पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70% की भारी गिरावट देखी गई है। ट्रम्प प्रशासन की अंतरराष्ट्रीय छात्रों से जुड़ी नीतियों की वजह से वीजा स्लॉट्स में रुकावट और वीजा रिजेक्शन में अचानक बढ़ोतरी से यह स्थिति बनी है। हैदराबाद ओवरसीज कंसल्टेंट के संजीव राय ने बताया- आमतौर पर इस समय तक छात्र अपने वीजा इंटरव्यू पूरे कर चुके होते हैं और अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे होते हैं। इस साल हम रोज पोर्टल चेक कर रहे हैं कि कहीं स्लॉट खुल जाएं, लेकिन यह कई सालों में सबसे खराब स्थिति है। अमेरिकी अधिकारियों ने वीजा स्लॉट्स को अलग-अलग स्टेज में जारी करने का वादा किया था, लेकिन हालात अभी तक क्लियर नहीं हैं, जिससे छात्रों में साल बर्बाद होने का डर बढ़ गया है। वहीं, विंडो ओवरसीज एजुकेशन कंसल्टेंसी के अंकित जैन ने कहा कि स्लॉट्स बुक करने के बावजूद कई छात्रों को कन्फर्मेशन नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा- ऐसा लगता है कि अमेरिका अपने सिस्टम की टेस्टिंग कर रहा है।

दूसरे देशों में पढ़ाई का विकल्प तलाश रहे...

इन सब दिक्कतों के चलते कई छात्र अब दूसरे देशों में पढ़ाई के विकल्प तलाश रहे हैं। 23 साल के एक छात्र ने कहा-मैं और इंतजार नहीं कर सकता। मुझे एक साल बर्बाद होने का डर है। अमेरिका का रास्ता बंद लग रहा है। ढ्ढ20 फीवर कंसल्टेंसी के अरविंद मांडुवा ने चेतावनी दी कि अगर अगले कुछ दिनों में स्लॉट्स नहीं खुले, तो हजारों छात्रों के सपने टूट जाएंगे। हमें हर दिन छात्रों और उनके माता-पिता के फोन आ रहे हैं। इसके अलावा, मार्च में आवेदन करने वाले छात्र, जिन्हें इंटरव्यू स्लॉट्स मिल चुके थे, अब हाई रिजेक्शन का सामना कर रहे हैं। जैन ने बताया- कई छात्र, जिन्हें आमतौर पर आसानी से वीजा मिल जाता था, अब रिजेक्ट हो रहे हैं। उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल भी क्लियर हैं। रिजेक्शन का ज्यादातर कारण सेक्शन 214बी बताया जा रहा है।

अमेरिकी सरकार का सेक्शन 214(बी) बना आफत

सेक्शन 214(बी) अमेरिकी इमिग्रेशन कानून का एक प्रावधान है, जो तब लागू होता है जब आवेदक यह साबित नहीं कर पाता कि वह पढ़ाई के बाद अपने देश वापस लौटेगा। डलास, टेक्सास की यूएस एडमिशन कंसल्टेंसी के रवि लोथुमल्ला ने कहा कि यह प्रोसेस नई नहीं है। नियम और जांच पहले से मौजूद थे, लेकिन अब इन्हें सख्ती से लागू किया जा रहा है।

तरनतारन में 3 अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर गिरफ्तार, 2 विदेशी पिस्टल बरामद पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाते थे

तरनतारन,18 जुलाई 2025। तरनतारन सीआईए ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विक्रमजीत सिंह और दलेर सिंह के रूप में हुई है। दोनों गांव सिंहपुरा के रहने वाले हैं। आरोपी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगवाते थे। वे इन हथियारों की सप्लाई गैंगस्टर और शरारती तत्वों को करते थे। पुलिस ने आरोपियों से दो विदेशी पिस्टल बरामद की हैं। एसएसपी दीपक पारीक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाबालिग को सुधार गृह भेजा गया है। अन्य दो आरोपियों को अदालत में पेश किया गया।

अदालत ने दोनों को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। पूछताछ के दौरान हथियार तस्करी के नेटवर्क से जुड़े और आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद है।

शिकागो में ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध-प्रदर्शन

हजारों लोग सड़कों पर उतरे,ट्रम्प को तनाशाह बताते हुए मार्च निकाला

वॉशिंगटन डीसी,18 जुलाई 2025। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद नीतियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हुआ। इन प्रदर्शनों को गुड ट्रबल लिव्स ऑन नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है। आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर था। दोपहर में शहर के

डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। शिकागो में आयोजित रैली में एक कैंडल मार्च निकाला गया। पब्लिक सिटिजन ग्रुप की को-प्रेसिडेंट लिसा गिल्बर्ट ने मंगलवार को कहा- हम अपने देश के इतिहास के सबसे डरावने दौर से गुजर रहे हैं। हमें सरकार में बढ़ती तानाशाही रवैये और कानून के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है, जो हमारी लोकतांत्रिक आजादी और अधिकारों को चुनौती दे रहा है। पब्लिक सिटिजन ग्रुप एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है,जो बड़े कॉर्पोरेट घराने के खिलाफ काम करता है। ये प्रदर्शन खास तौर पर अटलांटा,सेंट लुइस,ओकलैंड (कैलिफोर्निया) और एनापोलिस (मैरीलैंड) में होने की प्लानिंग है। जॉन लुइस का 2020 में 80 साल की उम्र में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। वे ह्यूमन राइट आंदोलन के बिग सिक्स नेताओं में से एक थे,जिसकी लीडरशिप मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे।

पुलिस के गिरफ्त में पांच गौ तस्कर

मवेशियों से भरी पिकअप की पलटने से गौ तस्करों का हुआ पर्दाफाश

घटना में प्रयुक्त एक नाग पिकअप वाहन सहित दो मोटर साइकिल जप्त किया गया...

बलरामपुर,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। गौ वंशीय पशुओं की तस्करी पर रोक लगाने के लिए बलरामपुर पुलिस के द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिसके फलस्वरुप पकड़ में आए गौ तस्कर। उक्त कार्रवाई में घटना में संलिप्त 5 आरोपी को गिरफ्तार एवं 1 विधि से संघर्षरत बालक को भी पुलिस ने लिया गया है अभिरक्षा में जानकारी के अनुसार दिनांक 17/07/2025 को प्रातः सूत्र के मोबाइल फ़ोन से सूचना प्राप्त हुई कि सेमरसोत जंगल में नेशनल हाइवे मुख्य मार्ग में मवेशियों से भरी हुई पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई है .एवं वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। प्राप्त सूचना की तस्दीकी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु घटनास्थल में पहुंचने पर पाया गया कि पिकअप वाहन क्रमांक JH07M8499 दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क में पलटी हुई थी वाहन में कुल 6 रास भैंस क्रूरता पूर्वक ठूस ठूस कर भरा गया था जिसमें से 1 रास भैंस की मौके पर मृत्यु हो चुकी थी। घटना पर थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 101/2025 धारा 4,6,10 पशु परिरक्षण अधिनियम, 11(1)(घ) पशु क्रूरता अधिनियम पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस के द्वारा अपराध पंजीबद्ध होने के उपरांत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार प्रकरण में संलिप्त आरोपीगणों की पतातलाश प्रारम्भ किया गया। आरोपी पतातालाश के दौरान घटना में संलिप्त 3 आरोपीगण को बलरामपुर में भागने के दौरान पकड़ लिया गया। 1 आरोपी को राजपुर थाना क्षेत्र से पकड़ा गया तथा 1 आरोपी को अंबिकापुर से पकड़ा गया। साथ ही 1 विधि से संघर्षरत बालक को भी अंबिकापुर से अभिरक्षा में लिया गया है।

उदारी निवासी मवेशी तस्कर ने पूछताछ में बताया

आरोपीगण से पूछताछ में बताया कि आरोपी मो. वजुल हक अंसारी निवासी ग्राम उदारी थाना लुंड्रा . झारखंड के पशु तस्करों के साथ मिलकर बतौली, रघुनाथपुर क्षेत्र से 6 रास भैंस को बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक JH07M8499 में लोड कर झारखंड स्थित क़त्लखाना ले जाने के लिए निकले थे। पिकअप वाहन को विधि से संघर्षरत बालक चला रहा था और साथ में आरोपी अर्जुन दास पिता मोहन दास निवासी उम्र 22 वर्ष ग्राम ओदारी थाना लुंड्रा एवं एक अन्य व्यक्ति बैठा हुआ था। 6 रास भैंस से भरी पिकअप वाहन को घटना में संलिप्त मो. वकील हक अंसारी एवं आलमगीर अंसारी मोटरसाईकिल से आगे आगे चलते हुए पुलिस की उपस्थिति की सूचना दे रहा था। इसी तरह आरोपी खुर्शीद अंसारी पिता अब्दुल जब्बार अंसारी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम करचाली थाना भंडरिया जिला गढ़वा पिकअप वाहन से लगभग 2 किलोमीटर आगे एक कार में झारखंड के एक अन्य पशु तस्कर के साथ चलते हुए पुलिस से बचने के लिए पायलेटिंग कर रहा था। जैसे ही भैंसों से भरी पिकअप वाहन सेमरसोत जंगल पहुंची तभी नेशनल हाईवे मुख्य मार्ग में अचानक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गयी जिसके उपरांत सभी आरोपीगण घटनास्थल से फरार हो गये । किंतु बलरामपुर पुलिस की सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही के परिणाम स्वरूप घटना में संलिप्त 05 आरोपियों एवं 01 विधि से संघर्षरत बालक का पहचान कर तत्काल घेराबंदी कर घटना के 12 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया। प्रकरण में विधिवत विवेचना कार्यवाही करते हुए घटना में प्रयुक्त 1 पिकअप वाहन एवं 2 नग मोटरसाइकिल जप्त किया गया है। आरोपीगणों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बलरामपुर के समक्ष पेश किया गया जहाँ से सभी आरोपीगणो को जेल दाखिल किया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपीयो का विवरण

(1) आरोपी मोहम्मद वाजुल हक पिता मो. अमीरुद्दीन अंसारी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम ओदारी थाना बलरामपुर जिला सरगुजा

(2) अर्जुनदास पिता पिता मोहन दास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम ओदारी थाना लुंड्रा जिला सरगुजा

(3) जियाउल हक पिता मो. अमीरुद्दीन उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम ओदारी थाना लुंड्रा जिला सरगुजा

(4) आलमगीर अंसारी पिता फ़रियाद हुसैन उम्र 22 वर्ष साकिन करचाली थाना भंडरिया जिला गढ़वा झारखंड

(5) खुर्शीद अंसारी पिता अब्दुल जब्बार उम्र 21 वर्ष ग्राम करचाली थाना भंडारियों जिला गढ़वा झारखंड।

उक्त कार्यवाही में शामिल रहे. निरीक्षक भापेंद्र साहू. उप निरीक्षक किरणेश्वर प्रताप सिंह. सहायक उप निरीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा. सहायक उप निरीक्षक सुधीर तिर्की. प्रधान आरक्षक शीपक शर्मा. प्रधान आरक्षक शैलेंद्र तिवारी. प्रधान आरक्षक नागेंद्र पांडे. आरक्षक सच्चिद सिंह. आरक्षक महेंद्र गुप्ता. आरक्षक दलसाय आरक्षक सलीम आयाम. आरक्षक कुलदीप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विद्युत दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल,बिजली कार्यालय का घेराव

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा 18 माह के कार्यकाल के दौरान चौथी बार विद्युत दरों में की गई वृद्धी के विरोध में आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर शहर, अम्बिकापुर ग्रामीण एवं दरिमा के द्वारा संयुक्त रुप से विद्युत कार्यालय का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट, गैर घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धी की गई है। सर्वाधिक वृद्धी किसानों के कृषि पंप के बिल में की गई है जो कि 50 पैसे प्रतियूनिट है। इसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बिजली न्याय के नाम से चरणबद्ध आन्दोलन का निर्णय किया हैं। इसके तहत 16 जुलाई से 18 जुलाई तक ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के द्वारा विद्युत कार्यालयों का घेराव किया जाना प्रस्तावित था। तीनो ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित इस घेराव के लिये कांग्रेसजन आज रैली के रुप में नारा लगाते हुए राजीव भवन से सहायक यंत्री के कार्यालय को रवाना हुए और वहां सात सूत्रिय मांगों का ज्ञापन दिया। इस ज्ञापन में यह मांग की गई है कि सरकार विद्युत दरों में की गई वृद्धी को तत्काल वापस लेने के साथ ही साथ पूरे प्रदेश में ध्वस्त हो चुकी विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिये युद्धस्तर पर अभियान चलाये। कांग्रेस ने यह मांग रखी है कि स्मार्ट मीटरों को वापस लिया जाये। कांग्रेस के शासनकाल में अम्बिकापुर शहर सहित सरगुजा जिले के लिये स्वीकृत विद्युत परियोजनाओं पर तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाये। विद्युत विभाग की लापरवाही से जान गंवाने वाले सुरेश सोनी के परिजनों को 1 करोड की मुआवजा राशि देने के साथ ही साथ दोषी विद्युत अधिकारियों के विरुद्ध मुकद्मा चलाकर उन्हें सजा दिलवाई जाये। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि भाजपा के नेताओं का यह कहना की विद्युत दरों में की गई वृद्धी मामूली वृद्धी है। इससे फर्क नहीं पडेगा,पूरी तरह अमानवीय सोच है। प्रदेश सरकार ने 18 माह के अपने कार्यकाल में 4 बार बिजली की कीमतों में वृद्धी करते हुए कुल 80 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धी कर दी है। एक सामान्य परिवार जो महीने में 300 यूनिट बिजली की खपत करता है, उसपर सीधे 240/रु का अतिरिक्त भार पडेगा। इसपर कर और अधिभार आदि को जोडने पर यह राशि और बढ जायेगी। सरकार एक तरफ कीमत बढा कर आमजन पर बोझ डाल रही है वहीं विद्युत आपूर्ती की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आ रही है। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, अम्बिकापुर शहर के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में अम्बिकापुर शहर को पूर्व उपमुख्यमंत्राी के द्वारा 2 बडे सब-स्टेशन की सौगात दी गई थी। इसका शिलान्यास भी हो चुका है। भाजपा की सरकार आने के बाद पुनः मोदीजी से इसका शिलान्यास करवा दिया गया, लेकिन आजतक इसका कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है जो कि दुखद है। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली कीमते बढा कर केवल वसूली न करे साथ ही वो आधारभूत ढांचे को भी मजबूत करे।

बिजली न्याय आन्दोलन के तहत सरगुजा जिले में ब्लॉक कांग्रेस के स्तर पर विद्युत कार्यालयों के घेराव का कार्यक्रम पूर्ण हो चुका है। 22 जुलाई को जिला स्तर पर डीई कार्यालय का घेराव किया जायेगा। इसमें जिला कांग्रेस कमेटी के साथ सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटिया शामिल होंगी। आज की रैली में अजय अग्रवाल, जेपी श्रीवास्तव, शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा, राकेश गुप्ता, विनय शर्मा, मो इस्लाम, संजय विश्वकर्मा, दुर्गेश गुप्ता, सीमा सोनी, इंद्रजीत धंजल, नारद गुप्ता, मदन जायसवाल,रशीद अहमद, विकल झा, आशीष जायसवाल, लोकेश कुमार, शुभम जायसवाल, वेदप्रकाश शर्मा, शंकर प्रजापति, सोहन जायसवाल, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निक्की खान सहित बडी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ के लिए कार्यशाला आयोजित

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर में संगवारी, चौपाल और अस्पताल प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से नर्सिंग स्टाफ के कार्य दक्षता,टीमवर्क और आधुनिक पद्धतियों को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला लेक्कचरल हॉल में आयोजित की गई, जिसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य प्रोफेशनल रूपा रावत सिंघवी ने प्रशिक्षण दिया। उनके पास 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान कर चुकी हैं। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को मरीजों की बेहतर देखभाल, आधुनिक सिमुलेशन तकनीकों, संयम और सकारात्मक व्यवहार के साथ कार्य करने के गुर सिखाए। साथ ही, मरीजों और उनके परिजनों से संवाद कौशल को भी बेहतर बनाने पर बल दिया। चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम ने नर्सिंग स्टाफ को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रेरित किया। वहीं अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने व्यवहार में सुधार लाने और मरीजों की संवेदनाओं को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी,सहायक अधीक्षक डॉ. संतु बाघ,अस्पताल सलाहकार स्वस्ति शुक्ला,प्रभारी मैट्रन सीएस लाल,डाइटिशियन सुमन सिंह,कार्यक्रम समन्वयक प्रिया परीडा सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ और छात्राएं उपस्थित रहीं।

25 बसों में लगे प्रेशर हॉर्न निकालने के बाद वसूले गए 50 हजार समन शुल्क

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा यातायात पुलिस टीम को भारी वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। प्रेशर हॉर्न से निकलने वाली तेज आवाज न केवल राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनती है, बल्कि यह सुनने की क्षमता को भी प्रभावित करती है। इसके अलावा, अचानक प्रेशर हॉर्न की आवाज से वाहन चालक घबराकर संतुलन खो सकते हैं, जिससे सडक़ हादसों का खतरा बढ़ सकता है। यातायात पुलिस टीम ने इस संदर्भ में गत दिवस बस स्टैंड अंबिकापुर और अन्य प्रमुख मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान प्रमुखता से बसों में लगे प्रेशर हॉर्न की जांच की गई। जिसमें अधिकतर वाहनों में प्रेशर हॉर्न पाया गया। वाहन चालकों को इस बारे में समुचित जानकारी दी गई और उनके वाहनों से प्रेशर हॉर्न निकालवाए गए। कुल 25 बसों में लगे प्रेशर हॉर्न निकालने के बाद, वाहन चालकों से 50 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला गया। पुलिस ने बस चालकों को समझाया कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर प्रेशर हॉर्न बजाने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है और उन्हें निर्धारित आवाज वाले सामान्य हॉर्न का उपयोग करने की सलाह दी।

मोबाइल टॉवर लगवाने के नाम पर 4.47 लाख रुपये की ठगी

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। अंबिकापुर जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र में मोबाइल टॉवर लगवाने के नाम पर ग्रामीणों से 4 लाख 47 हजार 700 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता अवधेश कुमार गुप्ता, ग्राम सलाईनगर निवासी, ने पुलिस में लिखित आवेदन देकर बताया कि नवंबर 2023 में ग्राम डांगबुड़ा के रामकेश्वर दास महंत,जुगनू दास महंत और राकेश कुमार महंत उनके घर आए और टॉवर लगाने के लिए उनकी जमीन दिखाने का झांसा दिया। इन ठगों ने जमीन दिखाने के बाद गुमराह करते हुए ग्रामीणों से पैसे ले लिए। ठगों ने आरोपियों को विश्वास में लिया और उन्हें यह आश्वासन दिया कि टॉवर लगाने पर कंपनी से 27 लाख रुपये मिलेंगे।

इसके बदले उन्होंने अवधेश कुमार गुप्ता से 1 लाख 85 हजार 500 रुपये, गुटीलाल लकड़ा से 87 हजार 200 रुपये, अजय कुमार पैंकरा से 55 हजार रुपये और अन्य ग्रामीणों से कुल मिलाकर 4 लाख 47 हजार 700 रुपये नकद और फोन पे के जरिए प्राप्त किए। सभी ने टॉवर लगने का इंतजार किया,लेकिन जब टॉवर नहीं लगा, तो ठगों से संपर्क करने पर वे लगातार गुमराह करते रहे। आखिरकार,ठगी का एहसास होने पर पीड़ितों ने पुलिस से मदद मांगी और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।

क्या जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा कर रहे अपने पद का दुरूपयोग ?

विश्राम भवन बैकुंठपुर में कर्मचारियों पर दबाव बनाकर होती है पार्टी सूत्रों का दावा

जिला पंचायत अध्यक्ष की कार्यशैली बनी लोगों के लिए चर्चा,संगठन से हुई है शिकायत,संगठन ने जताई नाराजगी

क्या कांग्रेसी विचारधारा को नही भूल पाए जिला पंचायत अध्यक्ष और कर रहे विश्राम भवन में मनमानी

विवादित लिपिक के साथ अब खड़े दिखलाई देना आश्चर्यजनक मामला,क्या संगठन से खुद को बड़ा समझने की कोशिश,आमापारा पंचायत में जमकर हुई है बंदरबाट लेकिन जांच और कार्यवाही करेगा कौन

आवास आबंटन के बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी से हुई थी कहा...सुनी क्या सत्ता का नशा सर चढ कर बोल रहा है...

जन्मजात कांग्रेसी थे मोहित पैकरा राईस मिल में छापा पड़ने के बाद हुआ था ह्रदय परिवर्तन

राईस मिल से किसानों को दिया जा रहा था अवैध धान ऐसे भ्रष्टाचारी हैं अध्यक्ष मोहित पैकरा

अभी भी आमापारा स्थित राईस मिल में रखा है अवैध धान सूत्रों का दावा लेकिन क्या कार्यवाही करेगा जिला प्रशासन यह सवालिया निशान

जिला पंचायत के रवैये से संगठन भी है नाराज,क्या अब सिर्फ सामाजिक राजनीति करेंगे मोहित पैकरा

-रवि सिंह-
कोरिया,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

चार माह पहले ही जिला पंचायत अध्यक्ष बनने वाले कोरिया जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा पर सत्ता और कुर्सी का नशा सर चढकर बोलने लगा है वे अपने पद का दूरूपयोग करने में भी पीछे नही हैं अभी तक कांग्रेसी गमछे और रंग में रंगने वाले बैकुंठपुर जनपद पंचायत के आमापारा पंचायत में वर्षो तक लूट-खसोट मचाई गई,उसी के बल पर राईस मिल भी खोला गया राईस मिल में भी अवैध काम करते पकड़े गए उसके बाद कार्यवाही भी ठंडे बस्ते में डाल दी गई कारण कि जब कार्यवाही हुई तो मोहित पैकरा कांग्रेसी थे लेकिन कार्यवाही से बचने उन्होने तनिक भी देर नही किया और भाजपा प्रवेश कर लिया और उनके सारे गुनाह भी माफ कर दिए गए यह एक सवालिया निशान और प्रशासन के मुंह पर भी तमाचा जैसा ही वाकया है। अब बतलाया जाता है कि सत्ता और पद की गर्मी अध्यक्ष मोहित पैकरा पर सर चढकर बोलने लगा है वे ना तो संगठन के हिसाब से चल रहे हैं और ना ही संगठन की उन्हे कोई जानकारी है। सूत्रों का दावा है कि जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा द्वारा आए दिन लोक निर्माण विभाग के विश्राम भवन में कर्मचारियों पर दबाव बनाकर पार्टी की जाती है अपने मित्रों के साथ कई रात उनके द्वारा यहां पार्टी की जाती है यही नही पिछ्ले महीने लोक निर्माण विभाग के एसडीओं के साथ इसी मामले में काफी कहा सुनी भी हो गई थी शिकायत संगठन तक भी पहुंची और संगठन ने हिदायत भी दी लेकिन इसका उन पर कोई असर नही पड़ा है। जिला पंचायत अध्यक्ष की कार्यशैली से संगठन की भी काफी किरकिरी हो रही है ।

विश्राम भवन के छोटे कर्मचारियों पर सत्ता का धौंस दिखाकर होती है पार्टी सूत्रों का दावा

विश्वस्त सूत्रों का दावा है कि कोरिया जिला पंचायत के अध्यक्ष मोहित पैकरा द्वारा सत्ता का धौंस दिखाकर विश्राम भवन के कर्मचारियों को दबाव बनाया जाता है,सूत्रों का दावा है कि पिछ्ले महीने ही उनके द्वारा अपने मित्रों संग विश्राम भवन का एक कमरा खुलवाया गया और वहां देर रात तक शराब-कबाब की पार्टी होती रही इस बात को लेकर विभाग के एसडीओ से भी उनकी काफी कहा सुनी हुई थी। बतलाया जाता है कि जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा विश्राम भवन को आरामगाह और पार्टी का अड्डा बनाने की कोशिश की जा रही है जो कि एकदम अनुचित है इस मामले की जानकारी भी विभागीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा संगठन तक दी गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष की इस हरकत से विश्राम भवन के कर्मचारी भी भयभीत दिखलाई देते हैं।

राईस मिल में अवैध धान हुआ था जप्त, भाजपाई बनते ही गुनाह माफ

बतलाया जाता है कि जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा का आमापारा में राईस मिल भी है जहां से धान का अवैध कारोबार करने में भी पीछे नही है और यह तथ्य इसलिए भी सत्य है क्योंकि प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद वर्ष 2024 में बैकुंठपुर की तात्कालिक एसडीएम अंकिता सोम ने राईस मिल में छापा मार कर अवैध धान जप्त किया था सूत्रों का कहना है कि मोहित पैकरा द्वारा राईस मिल से किसानों को धान दिया जा रहा था और किसानों के माध्यम से उस धान को समितियों में विक्रय करने की योजना थी लेकिन इसी बीच खबर मिलने पर उनके राईस मिल में छापा मारा कर सील कर दिया गया था इस कार्यवाही के बाद ही बचने के उद्वेश्य से मोहित पैकरा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी और हुआ भी ऐसा जिसमें उनके सारे गुनाह माफ कर दिए गए और कार्यवाही की फाईल कचरे के डिब्बे में डाल दिया गया। कार्यवाही से यह तय है कि मोहित पैकरा द्वारा अपने राईस मिल से धान की काफी अफरा तफरी की जाती है। सूत्रों का तो यहां तक दावा है कि अभी भी उनके राईस मिल में अवैध धान का भंडारण है लेकिन चुकि अब वे भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हो गए हैं इसलिए किसी प्रशासनिक अधिकारी में कार्यवाही करने की हिम्मत नही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष की कार्यशैली एवं पद के दूरूपयोग को संगठन ने लिया संज्ञान

बहुत ही अल्प समय में ही जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा के सर पर सत्ता और कुर्सी का नशा चढता हुआ दिखलाई देने लगा है उनकी कार्यशैली से क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ताओं में भी आक्रोश पनप रहा है जिसकी शिकायत भी आए दिन संगठन पदाधिकारियों के पास पहुंच रहा है यहीं नही उनके द्वारा संगठन की जानकारी बगैर भी कई कार्य किये जा रहे हैं जिससे संगठन की छवि भी खराब हो रही है। विश्राम भवन में जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा धौंस दिखाकर पार्टी किया जाना ऐसा भाजपा का संस्कार नही है लेकिन इसके बाद भी उनके द्वारा ऐसा कृत्य किया जाना अशोभनीय है,पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं तक इस बात की खबर भी पहुंची थी और उन्होने भी इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। बतलाया जाता है कि अध्यक्ष मोहित पैकरा द्वारा अन्य दूसरे समाज के लोगो के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता है जो कि किसी भी जनप्रतिनिधी के लिए सही नही है सवाल उठता है कि क्या वे सिर्फ समाज की राजनीति के लिए ही इस पद पर बैठे हैं इस बात की शिकायत भी संगठन स्तर तक पहुंची है।

आवास आबंटन के बाद विभागीय अधिकारी से भी हुई कहा-सुनी...

सूत्रों का दावा है कि जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा को जिला मुख्यालय में एक शासकीय आवास भी आबंटित किया गया है,उक्त आवास में कुछ साज सज्जा एवं अन्य कार्यो को लेकर भी उनके द्वारा विभागीय अधिकारी पर गलत तरीके से दबाव डाला जा रहा था इसे लेकर भी अधिकारी के साथ उनकी काफी कहा सुनी हो चुकी है।

आमापारा पंचायत में जमकर हुआ है बदंरबाट लेकिन जांच करेगा कौन ?

मोहित पैकरा अब तक कांग्रेसी विचारधारा के रहे हैं और उनकी कार्यशैली देखकर कहा जा सकता है कि वे अभी तक कांग्रेसी विचारधारा का मोह नही त्याग सके हैं। उनके द्वारा आमापारा पंचायत में प्रतिनिधित्व किया जाता है लंबे समय तक पद में बने रहने का भरपूर लाभ उन्होने उठाया है,एक सामान्य व्यक्ति से उठकर पंचायत में कितना भर्राशाही उन्होने किया होगा इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होने एक लंबा चैड़ा राईस मिल भी खड़ा कर लिया। आमापारा पंचायत में जमकर लूट खसोट भी उन्होने मचाई पिछ्ली सरकार के दौरान तात्कालिक विधायक अंबिका सिंहदेव के सहयोग से पंचायत में काफी कार्य स्वीकृत कराए गए थे उन सभी में जमकर बदंरबाट की गई लेकिन ना तो उसकी शिकायत हुई और ना ही जांच।

क्षेत्रीय विधायक के साथ संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की नाराजगी चर्चा का विषय

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा की कार्यशैली जिस प्रकार से चर्चा का विषय है वह राजनीति के लिहाज से उचित नही है यही कारण है कि क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत संगठन के पदाधिकारी भी उनकी कार्यशैली को लेकर नाराज बताए जा रहे है।

जिस लिपिक से त्रस्त हैं शिक्षा विभाग के कर्मचारी उसके स्थानांतरण पर साथ दिखलाई देना भी आपत्तिजनक

कोरिया जिला शिक्षा विभाग में वर्तमान में बड़ी संख्या में कर्मचारी समेत शिक्षक कार्यरत हैं वे सभी जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय कोरिया में पदस्थ लिपिक के रवैये से काफी परेशान थे आए दिन संगठन तक भी उक्त लिपिक की शिकायत पहुंच रही थी जिसके बाद हाल ही में लिपिक का स्थानांतरण कोरिया से जांजगीर कराया गया था लेकिन हद तो तब हो गई जब जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा संगठन के निर्णय के खिलाफ जाकर उक्त विवादित लिपिक के साथ खड़े हुए दिखलाई दिए। सूत्रों का कहना है कि चुकि लिपिक मोहित पैकरा द्वारा लिपिक के बचाव में संगठन के खिलाफ उतरकर काम किया जा रहा है। राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री से मिलकर विवादित लिपिक का स्थानातंरतण रूकवाने की मेहनत करते देखे गए जिला पंचायत अध्यक्ष को संगठन ने भी काफी गंभीरता से लिया है।

संगठन को आईना दिखाने की फिराक में अध्यक्ष मोहित पैकरा,क्या देखने लगे विधायक बनने का ख्वाब

प्रायः देखने में मिल रहा है कि जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा संगठन नेताओं को अनसुना एवं उपेक्षा की जा रही है संगठन के निर्णय के खिलाफ भी उनके द्वारा काम किया जाना घोर आपत्तिजनक है,ऐसा लगता है जैसे मोहित पैकरा संगठन को भी आईना दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। यही नही सूत्रों का दावा है कि अब अध्यक्ष बनने के जुम्मा जुम्मा आठ दिन होने के बाद मोहित पैकरा द्वारा विधायक बनने का सपना देखा जा रहा है उनके कुछ सिपहसलारों द्वारा उन्हे अभी से विधायक की तैयारी करने की सलाह दी जा रही है जिससे कि मोहित पैकरा द्वारा संगठन से आगे बढकर अनाप शनाप काम किये जा रहे हैं अब देखना होगा कि उक्त सभी मसलों पर भाजपा संगठन क्या कदम उठाता है?

रायपुर सेंट्रल जेल में कांग्रेसी नेता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला,हालत नाजुक

-संवाददाता-
कोरबा,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

रायपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर हमलावरों ने विचाराधीन बंदियों पर संघातिक हमला कर एक को लहूलुहान कर मरणासन्न हालत मे पहुंचा दिया । वहीं दूसरे ने बैरक के अंदर भागकर अपनी जान बचाई।

जेल प्रशासन सूत्रों के अनुसार गुरूवार को रायपुर उत्तर के युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आशीष शिंदे पर सेंट्रल जेल के अंदर ब्लेड और कटर से जानलेवा हमला हुआ है। जिससे आशीष के चेहरे ,गले व सीने सहित कई हिस्सों में गहरी चोटें आई हैं। हमले के वक्त के के श्रीवास्तव ने बैरक के अंदर घुसकर अपनी जान बचाई। हमलावरों का टारगेट के के भी थे। शिंदे पर ताबड़तोड़ किये गये हमसे से उनका काफी खून बह चुका था। जेल प्रशासन ने गंभीर रूप से घायल आशीष को गुरुवार रात डॉ. अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया है । डॉक्टरों के अनुसार उनके गले और चेहरे पर बहुत गहरे घाव हैं और अत्यधिक खून बहने के कारण उन्हें ऑब्ज़रवेशन में रखा गया है। प्रत्यक्षदर्शी अन्य बंदियों के अनुसार हमले के वक्त हमलावर चिल्ला - चिल्लाकर कह रहे थे तुझे तो मारेंगे हीज और के.के. श्रीवास्तव को भी जान से मार देंगे।

जेल सूत्रों के मुताबिक,यह हमला उस वक्त हुआ जब के.के. श्रीवास्तव और आशीष शिंदे बैरक में लौट रहे थे। के.के. श्रीवास्तव किसी तरह बैरक में घुस गए, लेकिन जैसे ही आशीष पीछे से अंदर घुसने वाला था,हमलावरों ने अचानक ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावर बंदियों के नाम क्रमशःमहेश रात्रे और जामवंत हैं । दोनों आदतन अपराधी पहले से ही जेल में बंद थे और आपसी रंजिश के चलते इस हमले को अंजाम दिया है । ज्ञात हो घायल कांग्रेसी नेता आशीष शिंदे और के.के. श्रीवास्तव एक ही केस में विचाराधीन बंदी हैं। पिछ्ले कुछ दिनों से इन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल मे रखा गया है। के.के. श्रीवास्तव पर करोड़ों की ठगी का आरोप लगा है। पुलिस मामले की जाँच कर रही हैं , जिसमे आशिष शिंदे को उनकी सहायता करने और भगाने व छिपाने के आरोप पर गिरफ्तार किया गया है । दोनों को एक-दूसरे का बेहद करीबी माना जाता है। जेल के अंदर हुए सुनियोजित हथियार युक्त प्राण घातक हमले ने रायपुर सेंट्रल जेल पर सवालिया निशान उठाया है। क्या अब जेल भी सुरक्षित नहीं रहीं या आर्गनाइज्ड क्राइम की पाठशाला / कार्यशाला जेल ही हैं ? लगातार हो रही हिंसा, कैदियों और जेल कर्मियों पर हो रहे हमले इस ओर इशारा कर रहे हैं कि जेल में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है ।

होटल मे महिला डॉक्टर से अनाचार का प्रयास,पकड़ा गया आरोपी

-संवाददाता-
कोरबा,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा शहर के आईटीआई चौक के पास नगर निगम के प्रशासनिक भवन साकेत से लगे होटल टॉप इन टाऊन की बताई जा रही है,जहाँ एक महिला डॉक्टर से अनचार करने का प्रयास किया गया । बताया जा रहा के होटल के एक कमरे में रहकर ट्रेनिंग करने वाली महिला डॉक्टर से होटल के सफाई कर्मी ने अनाचार का किया प्रयास। आरोपी खिड़की से कूद कर अंदर आ गया और चाकू दिखाकर डराया धमकाया। महिला डॉक्टर ने हार मानने की बजाय संघर्ष किया और इससे भिड़ने के साथ मदद के लिए चीखने लगी। जिससे आरोपी डर गया और वहां से भाग खड़ा हुआ। यह घटना एसपी ऑफिस के ठीक सामने स्थित होटल टॉप इन टाउन की है जहाँ शक्ति से कोरबा आकर ट्रेनिंग करने वाली महिला डॉक्टर रूम नंबर 122 में रह रही है। बीती रात उसके कमरे में 35 वर्षीय सफाई कर्मी खिड़की से घुसा और महिला के साथ अनाचार की कोशिश की। महिला डॉक्टर ने विरोध किया तो उसने चाकू निकाल लिया। इसके बाद भी महिला डॉक्टर विरोध करते हुए चीख पुकार करती रही जिससे डर कर आरोपी भाग निकला। ट्रेनिंग के लिए सक्ति जिले से आए चार डॉक्टरों में से दो डॉक्टर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनिंग के बाद वापस लौट चुके हैं, वहीं दो डॉक्टर होटल टॉप इन टाउन के अलग-अलग कमरे में रुके हुए हैं। इन्हीं में से एक महिला डॉक्टर के साथ बीती रात यह घटना घटी। पुलिस की नाक के नीचे हुई इस घटना से सनसनी फैल गई। पुलिस को सूचना मिलने पर होटल में लगे CCTV से आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया गया है।

बालको के वेदांता स्किल स्कूल में एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

-संवाददाता-
कोरबा,18 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर वेदांता स्किल्स स्कूल में एवीएनपी एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया। कंपनी ने नवाचार को बढ़ावा देते हुए साप्ताहिक कार्यक्रम को आयोजन किया,जो 'एआई और डिजिटल स्किल्स के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' थीम पर केंद्रित था। आयोजन में लगभग 150 से अधिक युवा एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया। स्किल स्कूल के पूर्व छात्र एवं कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया।

एआई स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 20 दिवसीय तथा प्रतिदिन 2 घंटे की अवधि में प्रदान किया जाएगा। 20 घंटे अनिवार्य प्रशिक्षण मॉडल को तीन भाग, सेंटर-बेस्ड ट्रेनिंग, वर्तमान प्रशिक्षुओं हेतु इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग और वर्कप्लेस आधारित ऑन-साइट ट्रेनिंग में क्रियान्वयन किया गया है। सभी प्रशिक्षण सत्र एशियन वेंचर फिलैन्थ्रपी नेटवर्क (एवीएनपी) के एएनयूडीआईपी, एलएमएस सिस्टम द्वारा मॉनिटर किए जाएंगे और प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है। प्रशिक्षुओं का चयन एंट्री गेट असेसमेंट के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की व्यावहारिक समझ देने और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल युवाओं को एआई से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी बल्कि व्यावहारिक समझ देने और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इस अवसर पर बालको के मुख्य कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं प्रशासन अधिकारी कैप्टन धनंजय मिश्रा एवं जिला रोजगार अधिकारी कोरबा के प्रतिनिधि, स्थानीय हितधारक और प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

वेदांता स्किल्स स्कूल ने अपने स्थापना के बाद से अब तक 13 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जिन्हें देशभर के 22 राज्यों में 45 कंपनियों में रोजगार मिला है। इस वर्ष मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड की शुरुआत के साथ प्रशिक्षण ट्रेड्स की कुल संख्या बढ़कर 7 हो गई है। बालको निरंतर कौशल, नवाचार एवं समावेशन के माध्यम से एक फ्यूचर-रेडी जनरेशन तैयार करने के अपने संकल्प को दोहराता है।

साउथ के एनजीओ के ऊपर जिले के किस अधिकारी की है विशेष कृपा:गुलाब कमरों

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़, 18 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों और नियमों को ताक पर रखकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन द्वारा साउथ के एनजीओ को खुलेआम संरक्षण दिए जाने पर सवाल उठने लगे हैं। जब पूरे प्रदेश में एनजीओ के अनुबंध और पंजीयन शिक्षा विभाग द्वारा समाप्त कर दिए गए हैं, तब आखिर एमसीबी में किस अधिकारी की 'कृपा' से नियम विरुद्ध तरीके से एनजीओ को शिक्षण कार्य और ट्रेनिंग का ठेका दिया जा रहा है?

शासन का नियम कुछ और,एमसीबी का नियम कुछ और!- मामले को संज्ञान लेते हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि समाचार-पत्रों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ है कि छत्तीसगढ़ शासन ने शिक्षा सत्र 2024-25 के अंत में प्रदेश के सभी जिलों में एनसीईआरटी के साथ एनजीओ का अनुबंध समाप्त कर दिया था। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी कर कहा था कि आगामी सत्र 2025-26 में किसी भी एनजीओ का पंजीयन,नवीनीकरण अथवा अनुबंध नहीं होगा। बीते वर्ष जिन 27 एनजीओ का पंजीयन था, उन्हें भी निरस्त कर दिया गया। विभाग का साफ आदेश है कि शासन के बिना अनुमति के किसी भी एनजीओ से काम कराया जाना नियम विरुद्ध है,इसके विरुद्ध कार्य करने पर जिम्मेदार अधिकारियों व एनजीओ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। नियम को ताक में रखते हुए एमसीबी जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इन नियमों की खुलकर अवहेलना करते हुए बेंगलुरु के एनजीओ 'स्टेप अप फॉर इंडिया' को शिक्षकों को ट्रेनिंग देने का जिम्मा सौंप दिया है। यह सब किसकी शह पर हो रहा है? कौन अधिकारी इस 'विशेष मेहरबानी' का जिम्मेदार है? यह बड़ा सवाल है। इसके साथ ही सूत्रों द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है कि क्षेत्र के युवक युवतियों को झांसे में लेकर एनजीओ के द्वारा कार्य कराया जा रहा है।

पूर्व विधायक की दो टूक-

गुलाब कमरों ने दो टूक कहा कि ईमानदारी का ढोंग रचकर भ्रष्टाचार करने वाले और नियम विरुद्ध काम कर रहे अफसरों को बेनकाब कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। शिक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदेश में 27 वें नंबर पर शिक्षा व्यवस्था, फिर भी वही एनजीओ?

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने सवाल उठाया कि बीते शैक्षणिक सत्र में भी इसी एनजीओ ने जिले में ट्रेनिंग दी थी, फिर भी शिक्षा के क्षेत्र में एमसीबी जिला पूरे प्रदेश में 33 वें पायदान पर रहा। जब हमारे जिले के समस्त विद्यालयों में हर विषय के पारंगत शिक्षक मौजूद हैं, तो फिर एनजीओ को बीच में दखल की क्या जरूरत? ऐसे एनजीओ के दखल से शिक्षा व्यवस्था बिगड़ती है, कुछ एनजीओ शिक्षकों के 'सर्वे' करने के नाम पर उनके बॉस की तरह व्यवहार करते हैं और माहौल को खराब करते हैं।

उन्होंने तीखा सवाल किया कि क्या सिर्फ पांच बच्चों से पूछताछ और कागजी सर्वे कर जिले की शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त हो सकती है?

भाजपा सरकार पर लगाया शिक्षा को कमजोर करने का आरोप पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि एक तरफ प्रदेश की भाजपा सरकार सुशासन के दावे करती है,दूसरी तरफ शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं, भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और ईमानदारी का चोला पहनकर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पूर्व विधायक ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों को ताक पर रखकर चलने वाले ऐसे अधिकारियों और एनजीओ के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व विधायक ने इस मामले में एससीईआरटी के डायरेक्टर रघुवंशी जी और एससीईआरटी के एनजीओ प्रभारी वर्मा जी से बात कर मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। पूर्व विधायक द्वारा मामले की जानकारी को ऊपर तक पहुंचाए जाने के कुछ देर बाद ही एनजीओ द्वारा शिक्षकों को दी जा रही ट्रेनिंग को शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा आगामी पर्यंत तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

जवाब दे जिला प्रशासन...किसकी शह पर हो रहा नियमों का उल्लंघन?

यह सवाल अब जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को जवाब देना होगा कि जब प्रदेश में एनजीओ के अनुबंध रद्द हो चुके हैं, तो एमसीबी जिले में किसकी 'कृपा' से बेंगलुरु के एनजीओ द्वारा ट्रेनिंग दी जा रही है?

सूरजपुर पुलिस ने गुम हुए 120 मोबाईल बरामद कर संबंधित को सौंपा

लगातार जारी रहेगा गुम मोबाईल खोजबीन का अभियान,साइबर अपराध से बचाव के लिए किया जागरूक

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जिले में गुम हुए मोबाइलों को खोजने के लिए सूरजपुर पुलिस की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। शुक्रवार, 18 जुलाई 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बरामद किए गए 120 मोबाइलों को संबंधित व्यक्तियों को सौंपा है जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 से 35 लाख रूपये है। गुम हुए मोबाइलों को जैसे ही उनके मालिकों को सौंपा उनके चेहरे खिल उठे। महीनों या वर्षों पहले खोए हुए मोबाइल को पाकर सभी काफी खुश दिखे। मोबाइल फोन गुम होने पर मोबाइल यूजर्स को होने वाला आर्थिक नुकसान और परेशानियों को ध्यान रखते हुए मोबाइल सर्विलांस में लगाकर ट्रेस कर गुम मोबाईल रिकंवर कर मोबाइल धारकों को वापस लौटाया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के निर्देशन में गुम हुए मोबाइल को खोजने के लिए विशेष अभियान चलाया गया जिसके तहत साइबर सेल को मोबाइल गुम होने संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर उनका तुरंत ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे।

लगातार जारी रहेगा गुम मोबाईल खोजबीन का अभियान

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि जिले की पुलिस के द्वारा गुम हुए मोबाईल खोजने का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि गुम मोबाईलों को खोजकर उनके धारकों को वापस किया गया है, मोबाईल पाकर नागरिकों में संतोष का भाव दिखा। इसके पूर्व पुलिस के द्वारा 429 मोबाईल खोजकर उनके धारकों को वापस कर चुकी है। मोबाईल रिकवरी के इस अभियान में एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, साईबर सेल प्रभारी राकेश यादव व उनकी टीम सहित थाना-चौकी स्तर पर गठित टीम के आरक्षकों ने सक्रियतापूर्वक कार्य किया है।

साइबर अपराध से बचाव के लिए किया जागरूक

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने मोबाईल वापस लेने आए लोगों को कहा कि वर्तमान समय में मोबाईल एक अत्यन्त उपयोगी वस्तु है। साइबर फ्राड म्युल अकाउंट सहित वर्तमान दौर में धोखेबाज किस तरह धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे है उसकी जानकारी देते हुए सर्तकता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि गुम हुआ मोबाइल फोन गलत हाथों में चला जाता है, तो निजी जानकारी लीक होने का खतरा रहता है। आपके फोन में आपके बैंक खातों, ईमेल, सोशल मीडिया और अन्य निजी जानकारी के विवरण हो सकते हैं। यदि कोई गलत व्यक्ति आपके फोन तक पहुंच जाता है, तो वह इन जानकारियों का दुरुपयोग कर सकता है, जैसे कि आपके बैंक खातों से पैसे निकालना या आपके सोशल मीडिया खातों को हैक कर सकता है। आपके फोन के टेक्स्ट संदेश, फ़ोटो, वीडियो, और अन्य निजी जानकारी हो सकती है, जिसका दुरुपयोग किया जा सकता है इसलिए मोबाईल को संभाल कर रखे और यदि मोबाईल गुम जाता है तो नजदीकी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराए।

33 दुकानों पर कोटपा एक्ट के तहत 6100 रुपये जुर्माना,शिक्षण संस्थान को चेतावनी

कोरिया जिले में तंबाकू बिक्री पर बड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
कोरिया, 18 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर गुरुवार को जिले में तंबाकू नियंत्रण अभियान के अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4/6 के तहत 33 दुकानों, पान ठेलों, होटल और गुमटियों पर कार्रवाई कर 6100 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। जांच दल ने बैकुंठपुर ब्लॉक के ग्राम जमगहना,महोरा,डकईपारा, करजी,गिरजापुर,टेंगनी,पांडोपारा में पान ठेले,होटल,किराना दुकानों की सघन जांच की। धारा 4/6 के उल्लंघन की पुष्टि होने पर जुर्माना लगाया गया और संबंधित दुकानदारों को धूम्रपान निषेध क्षेत्र तथा 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है जैसे बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए।

प्राथमिक शाला इमलीपारा में धूम्रपान निषेध बोर्ड नहीं पाए जाने पर विद्यालय प्रबंधन को तत्काल धूम्रपान मुक्त शिक्षण संस्थान बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया। साथ ही मध्यान्ह भोजन में प्रयुक्त खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब वाहन के माध्यम से जांच की गई। होटलों और दुकानों में खाद्य पदार्थों की सफाई, गुणवत्ता, एक्सपायरी तिथि की जांच की गई। दुकानदारों को साफ-सफाई बनाए रखने और नमी से बचाने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान मध्यान्ह भोजन के सैंपल भी एकत्रित किए गए।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Phone:- 07775-266355/Fax:-07775-266956/ Email Id:- nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक/3771/न0पा0प0/2025-26 सूरजपुर, दिनांक 18/07/2025

दुकान नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् सूरजपुर के द्वारा पुराना बस स्टैण्ड चौपाटी में निर्मित 23 दुकानें आम नीलामी दिनांक 12/08/2025 को 12.00 बजे नगर पालिका कार्यालय में की जाएगी। दुकान नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक 08/08/2025 तक निर्धारित अमानत राशि कार्यालयीन अवधि में नगर पालिका परिषद् सूरजपुर में एफडीआर/टीडीआर/डीडी जमा कर सकते हैं। एवं स्ट्रीट वेडर हितग्राही को ही प्राथमिकता दी जाएगी। बिना अमानत राशि जमा किये नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। दुकानों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र0	आबंटन हेतु कुल दुकानों की संख्या	आरक्षण वर्गवार		आरक्षण प्रतिशत	दुकानों की संख्या	दुकान क्रमांक
1	पुराना बस स्टैण्ड चौपाटी में निर्मित 23 दुकान	1	अ.जा.	6.62%	2	12,16
2		2	अ.ज.जा.	14.51%	3	6,15,18
3		3	अ.पि.वर्ग	15%	3	1,3,13
4		4	विधवा / परित्यक्ता	3%	1	23
5		5	विकलांग	2%	-	-
6		6	भूतपूर्व सैनिक	2%	-	-
7		7	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी	2%	-	-
8		8	शिक्षित बेरोजगार	5%	1	9
9		9	महिला	10%	2	2,10
10		10	तृतीय लिंग समुदाय	2%	-	-
11		11	अनारक्षित (शेष)	37.87%	11	4,5,7,8,11,14,17 19,20,21,22
कुल योग					23	-

टीप:-
1. दुकान नीलामी के नियम व शर्तें कार्यालयीन अवधि/दिवस में नगर पालिका कार्यालय के राजस्व शाखा में देखी जा सकती है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

कार्यालय नगरपालिका परिषद् सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Phone:- 07775-266355/Fax:-07775-266956/ Email Id:- nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक/3773/न0पा0प0/2025-26 सूरजपुर, दिनांक 18/07/2025

दुकान नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् सूरजपुर के द्वारा सुभाष चौक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में निर्मित 23 दुकान एवं बाजार गली में 01 दुकान कुल 24 दुकानों की आम नीलामी दिनांक 07/08/2025 को 12.00 बजे नगर पालिका कार्यालय में की जाएगी। दुकान नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक 05/08/2025 तक निर्धारित अमानत राशि कार्यालयीन अवधि में नगर पालिका परिषद् सूरजपुर में एफडीआर/टीडीआर/डीडी जमा कर सकते हैं। बिना अमानत राशि जमा किये नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। दुकानों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र0	आबंटन हेतु कुल दुकानों की संख्या	आरक्षण वर्गवार		आरक्षण प्रतिशत	दुकानों की संख्या	दुकान क्रमांक
1	सुभाष चौक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में निर्मित 23 दुकान	1	अ.जा.	6.62%	1	12
2		2	अ.ज.जा.	14.51%	4	13,20,21,36
3		3	अ.पि.वर्ग	15%	2	18,41
4		4	विधवा / परित्यक्ता	3%	1	14
5		5	विकलांग	2%	1	17
6		6	भूतपूर्व सैनिक	2%	-	-
7		7	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी	2%	1	23
8		8	शिक्षित बेरोजगार	5%	1	16
9		9	महिला	10%	1	40
10		10	तृतीय लिंग समुदाय	2%	-	-
11		11	अनारक्षित (शेष)	37.87%		8,9,10,11,15,19, 25,37,38,39,42
12		13	अनारक्षित	-	1	5
कुल योग					24	-

टीप:-
1. दुकान नीलामी के नियम व शर्तें कार्यालयीन अवधि/दिवस में नगर पालिका कार्यालय के राजस्व शाखा में देखी जा सकती है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

डूरंड कप 2025 का आगाज 23 जुलाई से

» प्राइज मनी भी बढ़ाई गई...

» कुल 24 टीमें लेंगी हिस्सा

कोलकाता, 18 जुलाई 2025। देश ही नहीं एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप की शुरुआत इस साल 23 जुलाई से होगी, जिसका ऐलान कर दिया गया है। इंडियन सुपर लीग का इस साल होने वाला सीजन रद्द होने के बाद से फुटबॉल फैंस काफी मायूस जरूर थे, लेकिन डूरंड कप के शुरू होने से उन्हें थोड़ी खुशी जरूर मिलेगी। इस बार टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। डूरंड कप के पिछले सीजन में आईएसएल की कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन इस बार सिर्फ 6 टीमें ही खेलते हुए दिखाई देंगी। वहीं बंगाल से भी चार टीमें डूरंड कप में हिस्सा लेंगी।

24 टीमें इस बार टूर्नामेंट में दिखेंगी खेलते हुए

डूरंड कप 2025 में कुल 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें सभी को छह अलग-अलग ग्रूप में बांटा गया है। ग्रूप स्टेज के मुकाबले खत्म होने के बाद हर ग्रुप की तीन टीमों को नॉकआउट राउंड में मैच खेलने का मौका मिलेगा। डूरंड कप में पहली बार साउथ यूनाइटेड एफसी, डायमंड हार्बर एफसी, नामधारी, आईटीबीपी, वन लद्दाख और एफसी मलेशिया आर्मी की टीम खेलते हुए दिखाई देगी। टूर्नामेंट में दो विदेशी टीमें त्रिभुवन आर्मी एफसी (नेपाल) और आर्म्ड फोर्सेज (मलेशिया) को शामिल किया गया है। वहीं अन्य बड़ी टीमों को लेकर बात की जाए तो उसमें मोहन बागान,ईस्ट बंगाल,नॉर्थईस्ट यूनाइटेड, पंजाब एफसी,जमशेदपुर एफसी और मोहम्मडन स्पोर्टिंग शामिल है। इस बार टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 23 को खेला जाएगा।

प्राइज मनी की राशि में की गई भारी बढ़ोतरी

टूर्नामेंट की प्राइज मनी में भी इस बार काफी ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल तक विजेता टीम को 1.2 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिलती है, जिसे अब तीन करोड़ रुपए करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, गोल्डन बूट और गोल्डन बॉल जीतने वाले प्लेयर्स को एसयूवी दी जाएगी। डूरंड कप 2025 के मुकाबलों का सीधा प्रसारण टीवी पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा तो वहीं मुकाबलों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सोनी लिव एप पर होगी।

साउथ अफ्रीका की टीम करेगी पाकिस्तान का दौरा

वर्ल्ड कप की तैयारियों पर रहेंगी नजरें

लाहौर, 18 जुलाई 2025। भारत की मेजबानी में साल 2025 के आखिर में महिला वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जिसमें हिस्सा लेने वाली सभी 8 टीमें तय हो चुकी हैं। इस मेगा टूर्नामेंट की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपनी महिला टीम को पाकिस्तान के दौरे पर भेजने का फैसला किया, जिसमें वह मेजबान टीम के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप से ठीक पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान की टीम आगामी वनडे वर्ल्ड कप में अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलेगी।

वनडे सीरीज के सभी मैच लाहौर के मैदान पर खेले जाएंगे

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की महिला टीम के बीच में खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला मुकाबला जहां 16 सितंबर को होगा तो वहीं आखिरी मैच 22 सितंबर को खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका की महिला टीम को इस वनडे सीरीज के खत्म होने के बाद वनडे वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला 3 अक्टूबर को इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ खेलना है, जो बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान महिला टीम के लिए भी ये सीरीज काफी अहम

महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए पाकिस्तानी महिला टीम सीधे अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हो सकी थी, जिसके बाद उसे क्वालीफायर राउंड के मुकाबले खेलने पड़े और वहां पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए उन्होंने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की की। वर्ल्ड कप से ठीक पहले अफ्रीकी महिला टीम के खिलाफ होने वाली ये सीरीज पाकिस्तानी महिला टीम के लिए भी काफी अहम रहने वाली है,जिसमें उन्हें भी अपनी तैयारियां परखने का मौका मिलेगा। पाकिस्तानी महिला टीम वनडे वर्ल्ड कप में अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी। जिसमें उसे पहला मैच 2 अक्टूबर को बांग्लादेश महिला टीम के खिलाफ खेलना है।

आदिती ने फुटबाल से ले लिया रिटायरमेंट

17 साल लंबे करियर पर लगा पूर्ण विराम

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की गोलकीपर अदिति चौहान ने संन्यास लेने का ऐलान किया है। इसी के साथ उनके 17 साल लंबे करियर पर ब्रेक लग गया। वह यूरोप में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला प्लेयर हैं। अपने रिटायरमेंट की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की है। उन्होंने कहा है कि अब मैदान के बाहर काम करना चाहती हैं। अदिति चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि फुटबॉल का शुक्रिया। मुझे आकार देने, मेरी परीक्षा लेने और मुझे आगे ले जाने के लिए। 17 कभी ना भूलने वाले सालों के साथ, मैं गर्व के साथ पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले रही हूं। इस खेल ने मुझे सिर्फ करियर से कहीं बढ़कर दिया। इसने मुझे एक पहचान दी।

चौथे टेस्ट में बुमराह खेलेंगे या नहीं, असिस्टेंट कोच ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में खेले थे। इसके बाद दूसरे टेस्ट से उन्हें रेस्ट दिया गया था। फिर वह तीसरे टेस्ट मैच में भी खेले थे। भारतीय टीम अभी टेस्ट सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है और सीरीज बराबर करना चाहती है। ऐसे में 23 जुलाई से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट में भारत को बुमराह की जरूरत पड़ेगी। लेकिन सीरीज शुरू होने से पहले ही कहा गया था कि बुमराह सीरीज में अधिकम तीन टेस्ट मैच खेल सकते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या बुमराह आने वाले टेस्ट में खेलेंगे या नहीं।

मैचचेस्टर में ही किया जाएगा फैसलाः टेन डोएशेट

भारत के सहायक कोच रयान टेन डोएशेट ने बेकेनहैम में भारत के एकमात्र ट्रेनिंग सेशन के बाद कहा कि हम यह फैसला मैनचेस्टर में ही लेंगे। हम जानते हैं कि

आखिरी दो टेस्ट में से उसे एक के लिए चुन सकते हैं। मुझे लगता है कि अब मैनचेस्टर में सीरीज दांव पर है इसलिए उसे खिलाने पर विचार किया जाएगा। हमें फिर भी सभी कारकों को देखना होगा। हम वहां कितने दिन क्रिकेट खेल पाएंगे। इस मैच को जीतने के लिए हमारे लिए सबसे अच्छा मौका क्या है? और फिर यह भी कि योजना ओवल में कैसे फिट बैठती है। रयान टेन डोएशेट ने कहा कि हम यहां अपने गेंदबाजों की तुलना दूसरी टीमों के गेंदबाजों से करने के लिए नहीं हैं। हमारी अपनी खूबियां हैं। हम जानते हैं कि जसप्रीत अपने स्पैल, विशेषकर छोटे स्पैल में क्या करता है। डोएशेट ने कहा कि कुछ गेंदबाज ऐसे होते हैं। जरूरी नहीं कि हर कोई एक जैसा हो।

ऋषभ पंत ने नहीं की ट्रेनिंग

अंगुली की चोट से उबर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग नहीं की,लेकिन टीम के साथ बेकेनहैम गए। उम्मीद है कि मैनचेस्टर मैच के लिए वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। डोएशेट ने कहा कि तीसरे टेस्ट में उन्होंने काफी दर्द के साथ बल्लेबाजी की और हम उस स्थिति से दोबारा नहीं गुजरना चाहते जहां हमें पारी के बीच में विकेटकीपर बदलना पड़े। उन्होंने आज आराम किया। हम बस उन्हें रेस्ट देने की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह मैनचेस्टर में पहले ट्रेनिंग सेशन में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार होंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए स्क्वॉयड का ऐलान

ढाका, 18 जुलाई 2025। बांग्लादेश क्रिकेट टीम पाकिस्तान के खिलाफ अपने घर पर तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी, जिसके लिए स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान लिटन दास को मिली है और उन सभी प्लेयर्स को बरकरार रखा गया है, जो श्रीलंका के खिलाफ जीत में शामिल थे। बांग्लादेश के पास मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप है। स्क्वाड में लिटन दास, तंजीद हसन, तौहीद ह्रदय और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। इन प्लेयर्स ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था। टी20 सीरीज में लिटन ने 3 मैचों में कुल 114 रन बनाए थे, जिसमें एक अर्धशतक शामिल रहा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी 220 आई सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम

लिटन दास (कप्तान),तंजीद हसन,परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद नईम,तौहीद हृदोय,जेकर अली,शमीम हुसैन,मेहदी हसन मिराज,रिशाद हुसैन,महेदी हसन,नसुम अहमद,तस्कीन अहमद,मुस्तफिजुर रहमान,शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब,मोहम्मद सैफुद्दीन।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में अब इस दिग्गज की वापसी मुश्किल

बचपन से सुपरस्टार को हमेशा के लिए मिस करेंगे फैंस

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025। डब्ल्यूडब्ल्यूईके मशहूर पहलवान केन, जिन्हें बिग रेड मशीन के नाम से भी जाना जाता है, क्या अब रिंग में नहीं दिखेंगे? केन आखिरी बार 2021 में रॉयल रंबल में लड़े थे। उसके बाद से उनके रिंग में वापसी को लेकर कोई खबर नहीं आई है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस जानते हैं कि केन ने कितना नाम कमाया है। वे यह भी जानते हैं कि केन की एक झलक भी रिंग में कितनी सनसनी फैला सकती है। लेकिन, कंपनी अब नए और युवा पहलवानों पर ध्यान दे रही है। इसलिए केन की वापसी की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। एक इंटरव्यू में जब केन से सीधे यह सवाल पूछा गया,तो उन्होंने स्थिति साफ कर दी। केन ने कहा कि आजकल के पहलवानों की तेजी और फुर्ती को देखते हुए, शायद वे अब पीछे रह गए हैं। केन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में लगभग सब कुछ जीता है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई,वर्ल्ड हैवीवेट और ईसीडब्ल्यू वर्ल्ड चैंपियन भी रहे हैं। उनके जैसे चैंपियन को शानदार विदाई मिलनी चाहिए,लेकिन अभी की स्थिति को देखते हुए यह मुश्किल लग रहा है। केन फिलहाल नॉक्स काउंटी के मेयर भी हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में डब्ल्यूडब्ल्यूई के सह-संस्थापक विंस मैकमोहन के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में भी बताया।

केन ने इंटरव्यू में कहा, मुझे नहीं पता, यार। अरे यार। भाई, हम अभी एथलेटिक्स और मूवमेंट के बारे में बात कर रहे थे और आजकल के लोगों की गति के साथ तालमेल बिठा रहे थे। वह शायद मुझे पीछे छोड़ गया है, दोस्तों। इसका मतलब है कि केन को लगता है कि अब वे पहले जैसे फुर्तीले नहीं रहे। केन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई सालों तक राज किया। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई वर्ल्ड हैवीवेट और ईसीडब्ल्यू वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती। फैंस उन्हें एक शानदार विदाई देना चाहते हैं, लेकिन यह मुश्किल लग रहा है।

इस बार फिर 90 पार

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025। भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा पेरिस डायमंड लीग में शानदार जीत के बाद वह अब लंदन डायमंड लीग में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा इस इवेंट में दुनिया के टॉप जैवली थ्रोअर के साथ टक्कर लेंगे। 19 जुलाई को आयोजित होने वाले लंदन डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा के अलावा जर्मनी के जूलियन वेबर, ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, और केन्या के जूलियस येगो जैसे धुरंधर शामिल होंगे। प्रतियोगिता का आयोजन लंदन स्टेडियम में होने जा रहा है। नीरज चोपड़ा के लिए लंदन डायमंड लीग का यह स्टेज बहुत ही महत्वपूर्ण है। पेरिस डायमंड लीग में अपनी जीत के बाद वह अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे और अपने विरोधियों को कड़ी टक्कर देना चाहेंगे। इस सीजन में नीरज ने पहले ही दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, लेकिन तब उन्हें जूलियन वेबर से हार का सामना करना पड़ा था। पेरिस में वेबर को हराकर नीरज ने हिसाब चुकता किया और अब उनका लक्ष्य लंदन में भी टॉप पर रहना होगा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में हो सकती है बैड बनी की वापसी

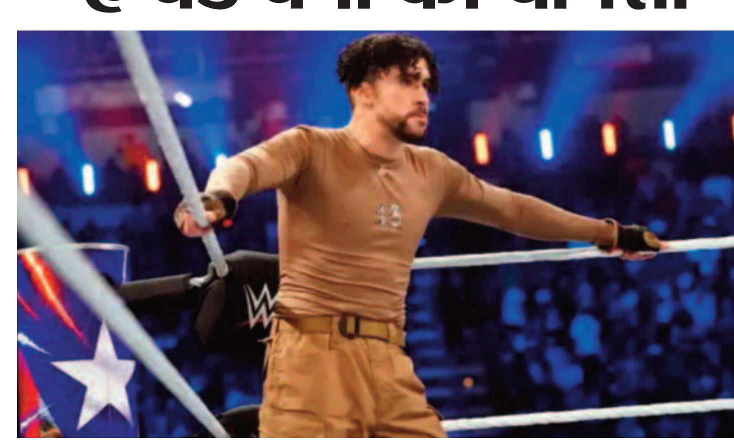

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2025। डब्ल्यूडब्ल्यूई के सुपरस्टार डेमियन प्रीस्ट ने मशहूर रैपर और अपने पुराने टैग-टीम पार्टनर बैड बनी को डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापस आने का न्योता दिया है। प्रीस्ट ने कहा कि बैड बनी जब चाहें तब डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी कर सकते हैं। बशर्ते वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हों। प्रीस्ट ने बताया कि वे बैड बनी को फिर से रिंग में देखने के लिए उत्सुक हैं।प्रीस्ट ने बैड बनी को रेस्टल मनिया 37 और बिग शो के साथ उनकी फाइट के लिए ट्रेनिंग देने में मदद की थी। प्रीस्ट ने बैड बनी की मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी उन्हें ट्रेनिंग देने के लिए तैयार हैं। प्रीस्ट ने कहा, यह कहना आसान है कि मैं अगले हफ्ते आ जाऊंगा, लेकिन उन्हें तैयार रहना होगा। वास्तव में,जब भी उनका मन हो, वे हमेशा स्वागत है। बैड बनी और प्रीस्ट के बीच बैक्लश 2023 में प्यूर्टो रिको में एक शानदार स्ट्रीट फाइट हुई थी। इस फाइट के बाद से दोनों के बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया है। प्रीस्ट ने कहा कि वे बैड बनी को रेस्टलमनिया और बैक्लश के लिए तैयार करने में शामिल थे। उन्होंने कहा कि जब बैड बनी तैयार होंगे,तो वे उनकी मदद करने को तैयार हैं।

मंडला मर्डर्स का ट्रेलर जारी

सीरीज मंडला मर्डर्स का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। नेटफ्लिक्स और यशराज फिल्म्स की साझेदारी में बन रही यह सीरीज इसी महीने दर्शकों के बीच पहुंचेगी। इसमें चरणदासपुर के जंगलों में मौजूद एक प्राचीन यंत्र के रहस्यों के बारे में बताया गया है। सीरीज सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। इसमें सुरवीन चावला,वाणी कपूर,श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे हैं।नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया है। ट्रेलर रिलीज की जानकारी देने के साथ लिखा है, कुछ रहस्य विज्ञान और विश्वास से परे हैं। मोल चुकाने का समय आ गया है। सीरीज की रिलीज डेट भी बताई गई है। मंडला मर्डर्स नेटफ्लिक्स पर 25 जुलाई से स्ट्रीम होगी।ट्रेलर में एक प्राचीन यंत्र के बारे में बताया गया है, जो चरणदासपुर के जंगलों में है। इसमें अपने अंगों की आहुति देने वालों को वरदान प्राप्त हुआ है। अगले दृश्य में वाणी कपूर की एंट्री होती है,जो सीरीज में इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में नजर आएंगी। एक्टर वैभव दिल्ली पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह का किरदार निभाते दिखेंगे। वे प्राचीन यंत्र और बेरहमी से की गई हत्याओं की गुत्थी सुलझाने निकलते हैं।इस सीरीज में सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा पंचायत फेम प्रधानजी यानी एक्टर रघुबीर यादव भी इस सीरीज में दिखाई देंगे। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी कपूर ओटीटी सीरीज की दुनिया में डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज के निर्देशन की कमान गोपी पुरथन ने संभाली है। ट्रेलर सस्पेंस से भरा है और इसने सीरीज के प्रति दिलचस्पी बढ़ा दी है।सीरीज के ट्रेलर पर नेटिजन्स की शानदार प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स लिख रहे हैं, प्रधानजी की वापसी। एक अन्य यूजर ने लिखा, आधी कास्ट गुल्लक की इधर आ गई है। वहीं, ट्रेलर को भी शानदार बता रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, ट्रेलर शानदार है। सीरीज का इंतजार है।

प्रियंका चोपड़ा को करीना कपूर की खास जन्मदिन की शुभकामनाएं...

प्रियंका चोपड़ा आज (18 जुलाई) अपना 43 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर, उन्हें उनकी ऐतराज़ की को-स्टार करीना कपूर ने जन्मदिन की सबसे प्यारी शुभकामनाएँ दीं। करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक अवॉर्ड शो की एक पुरानी तस्वीर शेयर की और बताया कि प्रियंका हमेशा से ग्लोबल डोमिनेशन के लिए बनी थीं। तस्वीर में, प्रियंका और करीना कैमरे से बेखबर, एक-दूसरे से बात करते हुए स्टेज पर एक-दूसरे के बगल में खड़ी दिखाई दे रही थीं। कैप्शन में करीना ने लिखा, आप हमेशा से ग्लोबल डोमिनेशन के लिए बनी थीं (लाल दिल वाला इमोटिकॉन)। यूँ ही आगे बढ़ती रहो पीसीजे, आपके जैसा कोई नहीं। जन्मदिन मुबारक हो।

फ्लोरल ड्रेस में मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर ढाया कहर

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने हॉट और ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया पर छा गई हैं। इस बार मोनालिसा ने फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस में अपनी नई तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं। अपने इस पोस्ट में मोनालिसा ने लाल बिंदी,खुले बाल और मैचिंग इयररिंग्स के साथ अपने लुक को कम्पलीट किया है। मोनालिसा की इस तस्वीर को फैंस ने खूब पसंद किया है और कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। किसी ने उन्हें ब्यूटीफुल क्वीन' कहा तो किसी ने दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की.मोनालिसा का बोल्ड और स्टाइलिश लुक उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. उनकी हर पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है और फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। मोनालिसा का ये नया अवतार भी इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं,बल्कि फैशन आइकन भी हैं.मोनालिसा का ये लेटेस्ट फोटोशूट यह भी दिखाता है कि उन्होंने अपने स्टाइल और फैशन सेंस को किस तरह लगातार निखारा है. चाहे ट्रेडिशनल आउटफिट हो या वेस्टर्न ड्रेस,मोनालिसा हर लुक में बेहद कॉन्फिडेंट और गॉर्जियस नजर आती हैं। उनके फैंस हमेशा उनकी नई तस्वीरों और वीडियोज़ का इंतजार करते हैं और हर बार उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है. मोनालिसा की यही अदा उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और ग्लैमरस अदाकाराओं में शामिल कर देती है।

भूपेश बघेल के घर ईडी रेड पर बवाल

विपक्ष के नेताओं ने किया मानसून सत्र का बहिष्कार...

रायपुर,18 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन उस समय सियासी बवाल मच गया जब विपक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी की रेड और उनके बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई का बहिष्कार कर दिया। विपक्ष ने सरकार पर कार्रवाई को राजनीतिक दबाव में किए जाने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इस मामले को विधानसभा में उठाते हुए सरकार की आलोचना की और कहा कि यह कार्रवाई पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के जन्मदिन के दिन की गई, जो बेहद निंदनीय है। इसके बाद कांग्रेस के सभी विधायक सदन से बाहर चले गए।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

भारतमाला मुआवजा घोटाला में भाजपा नेताओं समेत 6 गिरफ्तार

» 43 करोड़ का हुआ था हेरफेर

राजिम,18जुलाई 2025(ए)। अभनपुर में भारतमाला प्रोजेक्ट से जुड़े मुआवजा घोटाले में आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में भाजपा के दो नेता जिसमें पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कुंदन बघेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य खेमराज कोसले समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें जल संसाधन विभाग के दो अधिकारी भी शामिल हैं। मामले में अब तक 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले के 4 आरोपियों की जमानत मंजूर

रायपुर,18 जुलाई 2025(ए)। भारतमाला प्रोजेक्ट में मुआवजा राशि घोटाले में 4 आरोपियों को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की एकल पीठ ने आज हरमीत खनूजा,विजय जैन,उमा तिवारी और केदार तिवारी की नियमित जमानत मंजूरी दी है। मामले में हरमीत,विजय,उमा और केदार की ओर से वकील मनोज परांजपे और सरफराज खान ने विस्तृत दलीलें पेश करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ जमानत न देने का कोई वैधानिक कारण नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने दलीलों और दस्तावेज़ों की सुनवाई के बाद यह स्पष्ट करते हुए नियमित जमानत दी,कि यह कोई अंतरिम राहत नहीं है बल्कि कानूनी अधिकार के तहत जमानत दी जा रही है।

आशिकी पान मसाला के ठिकानों पर डीजीजीआई की कार्रवाई

» तकरीबन 4 करोड़ का माल जब्त

रायपुर,18 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस ने छापेमार कार्रवाई थी। डीजीजीआई की टीम ने बुधवार को रायपुर, राजनांदगांव, कांकेर और कोंडागांव जिले में छापे मारे थे, जहां आशिकी पान मसाला के करीब 3 करोड़ 75 लाख का माल जब्त किया गया है। डीजीजीआई ने छापेमार कार्रवाई में कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं, जिसकी जांच की जा रही है।

ईडी छापेमारी पर सियासी घमासान; विजय शर्मा ने भूपेश बघेल पर किया पलटवार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर ईडी छापे को लेकर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने साफ कहा श्रेष्ठ एक स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी है और उसका मकसद भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करना है,ना कि किसी को खुश करना। विजय शर्मा ने विधानसभा सत्र से पहले मीडिया से बातचीत में कहा। उन्होंने बताया कि शराब घोटाले की जड़ें छत्तीसगढ़ में थीं और उसका मॉडल दिल्ली और झारखंड तक पहुंचा। हमें मालूम है मामला क्या है,इसलिए ईडी आई है। भूपेश बघेल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय शर्मा ने कहा देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। ये वही लोग हैं जो 1975 की इमरजेंसी में चुनाव आयोग को पूरी तरह बर्बाद कर चुके हैं, और आज उसी संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा,आज चुनाव आयोग मजबूती से काम कर रहा है, और जब वह आपके हिसाब से काम नहीं करता,तो आप उसे भी कठघरे में खड़ा कर देते हैं। सदन में शराब घोटाले पर विपक्ष के हमले पर विजय शर्मा ने कहा कि विपक्ष को तर्कपूर्ण सवाल पूछने का अधिकार है,और सरकार उसके हर मुद्दे का जवाब देने को तैयार है। उन्होंने कहा हम किसी सार्थक बहस से नहीं भागते।

जन्मदिन का जैसा तोहफा मोदी और शाह देते हैं, वैसे दुनिया के लोकतंत्र में कोई नहीं दे सकता

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर कसा तंज

आज,शुक्रवार सुबह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर छापेमारी के लिए पहुंचीं। खास बात ये कि ये कार्रवाई उस दिन हुई जब उनके बेटे चैतन्य बघेल का जन्मदिन है। बघेल ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा तंज कसा है। भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि,जन्मदिन का जैसा तोहफ़ा मोदी और शाह जी देते हैं,वैसा दुनिया के किसी लोकतंत्र में और कोई नहीं दे सकता। मेरे जन्मदिन पर मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के यहां ईडी आई थी। अब मेरे बेटे के जन्मदिन पर मेरे घर छापा पड़ा है। इन तोहफों का धन्यवाद। ताउम्र याद रहेगा। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 12 अधिकारी बघेल के भिलाई निवास पर पहुंचे, जिनके साथ सीआरपीएफ के जवानों की बड़ी टुकड़ी भी मौजूद रही। बताया जा रहा है कि छापेमारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में की जा रही है। ईडी रेड के बावजूद भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ विधानसभा के अंतिम सत्र में शामिल होने रवाना हुए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा-आज विधानसभा में अडानी द्वारा तमनार में पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाना था,इसलिए 'साहेब' ने ईडी भेज दी।

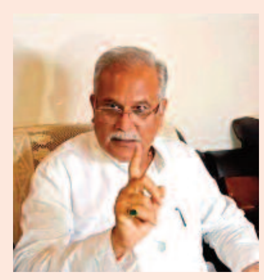

शराब घोटाले से जुड़ा मामला

ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार यह गिरफ्तारी ईडी की एक लंबी जांच के बाद की गई, जिसे लेकर पहले से ही राजनीतिक हलकों में हलचल थी। विपक्ष का कहना है कि यह कार्रवाई जानबूझकर सत्र के आखिरी दिन और एक निजी अवसर (बर्थडे) पर की गई ताकि पूर्व मुख्यमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके।

धान खरीदी को लेकर सरकार पर बरसे भूपेश, पूछा...धान है कहां?

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सदन में सरकार से सीधे सवाल किया कि जब धान उठाया जा चुका है, तो फिर वह कहां है? उन्होंने आरोप लगाया कि राइस मिलर्स को 1,59,000 मीट्रिक टन धान दे दिया गया है,जबकि संग्रहण केंद्रों में केवल 51,000 मीट्रिक टन धान बचा है। ऐसे में नीलामी कितनी हुई और एफसीआई तथा नान को देने के लिए मिलर्स के पास स्टॉक कितना है?

सरकार ने दिया जवाब- सभी आंकड़े पारदर्शी, मिलर्स को भेजा गया धान

इन सवालों पर जवाब देते हुए मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि बालोद विधानसभा क्षेत्र में 2,25,000 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। इसमें से 1,79,700 मीट्रिक टन धान राइस मिलर्स को भेजा गया। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में सिर्फ 1,000 मीट्रिक टन धान बचा है और शेष धान संग्रहण केंद्रों में पहुंचा दिया गया है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि नीलामी प्रक्रिया और एफसीआई व नान को धान भेजना पूरी तरह से नियमों के अनुसार किया गया है।

कांग्रेस विधायक ने उठाए सवाल

महासमुंद से कांग्रेस विधायक चतुरी नंद ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एनजीओ को दिए गए अनुदानों की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। उन्होंने फॉर्च्यून फाउंडेशन नामक संस्था का जिक्र करते हुए कहा कि विभाग द्वारा बताए गए आंकड़े और दस्तावेजों में भिन्नता है। उन्होंने मांग की कि एनजीओ को दिए गए अनुदानों की जांच की जानी चाहिए।

मंत्री का जवाब-राशि दो किस्तों में दी गई, जांच के लिए तैयार हूं...

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जवाब में कहा कि फॉर्च्यून फाउंडेशन महासमुंद में संचालित एक संस्था है जो वृद्धाश्रम चलाती है। 2022-23 में ₹23 लाख, 2023-24 में ₹23.59 लाख और 2024-25 में ₹10 लाख का अनुदान दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों में राशि के अंतर की वजह अनुदान की दो किस्तों में जारी होना हो सकता है। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सभी रिकॉर्ड जांच के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे।

कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल का करीबी गिरफ्तार,कोल घोटाले में आरोपी

कोयला घोटाले में ईओडब्ल्यू एसीबी को बड़ी सफलता हाथ लगी है, फरार आरोपी देवेंद्र डडसेना दबोचा गया है, खबर लिखे जाने तक आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाए रही है, देवेंद्र डडसेना फरार आरोपी कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल का करीबी बताया जा रहा है, डडसेना ने कोयला कारोबार के जरिये 100 करोड़ रुपए की थी, इस राशि को राजनीतिक कार्यों में खर्च करना बताया जा रहा है।

आज बघेल का बेटा चैतन्य गिरफ्तार

भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में भूपेश बघेल, चरणदास महंत, मोहम्मद अकबर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। इसके पहले भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है। विधानसभा जाते वक्त भूपेश बघेल ने कहा- पिछली बार मेरे जन्मदिन पर ईडी को भेजा गया था। इस बार मेरे बेटे के जन्मदिन पर मोदी-शाह ने अपने मालिक को खुश करने के लिए ईडी को भेजा है। भूपेश बघेल न झुकेगा और न ही डरेगा। आज विधानसभा में अडाणी का मुद्दा उठेगा, इसलिए ईडी को भेजा गया है।

पूरे विधानसभा की जानकारी अलग से दी जाएगी

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जवाब में कहा कि भैया लाल जी का प्रश्न बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के दिव्यांगों से संबंधित था,इसलिए 21 आवेदनों की जानकारी दी गई। अगर प्रश्न पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए था तो विभाग अलग से उसकी जानकारी देगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे वरिष्ठ सदस्य हैं,उनकी बातों को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा और सभी रिकॉर्ड सामने लाए जाएंगे। मानसून सत्र का अंतिम दिन विपक्ष के बहिष्कार और सवाल-जवाब की गूंज के साथ समाप्त हुआ। भूपेश बघेल के घर ईडी की रेड और बेटे की गिरफ्तारी से शुरू हुई बहस धान खरीदी और एनजीओ फंडिंग तक पहुंच गई। विपक्ष जहां सरकार पर राजनीतिक द्वेष का आरोप लगाता रहा, वहीं सरकार ने हर मुद्दे पर जवाब देने का दावा किया और पारदर्शिता की बात दोहराई।

बजट कहां खर्च हुआ?

चतुरी नंद ने सवाल किया कि जब संस्था महासमुंद में रजिस्टर्ड है, तो उसका वास्तविक कार्यालय कहां स्थित है? साथ ही उन्होंने पूछा कि संस्था को दिए गए बजट का प्रयोग किस-किस मद में किया गया है। उन्होंने विभाग से सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की।

भैया लाल राजवाड़े का आरोप

भैया लाल राजवाड़े ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से कहा कि विभाग द्वारा दी गई जानकारी गुमराह करने वाली है। उन्होंने दिव्यांगजनों के आवेदनों की संख्या के संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि विभाग ने सिर्फ बैकुंठपुर जिले की जानकारी दी जबकि वह पूरे विधानसभा क्षेत्र की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में जो आवेदन आए, उनका निराकरण क्यों नहीं हुआ?

महतारी वंदन में शिक्षकों ने किया फर्जीवाड़ा

यहां दो दर्जन शिक्षकों की बीवियों ने ली महतारी वंदन की राशि,नोटिस जारी कर वेतन रोकने की दी गई चेतावनी

बिलासपुर,18 जुलाई 2025 (ए)। महतारी वंदन योजना में लगातार फर्जीवाड़े के मामले सामने आ रहे हैं। बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड में 26 शिक्षकों की पत्नियों द्वारा गलत तरीके से इस योजना का लाभ लेने का मामला सामने आया है। महिला एवं बाल विकास विभाग, कोटा द्वारा इस मामले का खुलासा किया गया, शिक्षा विभाग द्वारा नोटिस जारी करते हुए संबंधित शिक्षकों को राशि वसूली का नोटिस जारी किया गया है, साथ ही चेतावनी दी गई है कि समय पर राशि नहीं लौटाने पर वेतन रोक दिया जाएगा।

महीनों से जारी हो रही थी राशि,विभाग को भनक नहीं

हैरान करने वाली बात यह है कि बीते 11 महीनों से प्रत्येक शिक्षक की पत्नी के खाते में हर माह ₹1000 की राशि जा रही थी, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। अब जाकर जब पूरे प्रकरण की जानकारी हुई, तब विभाग ने हरकत में आकर कार्रवाई शुरू की।

महिला एवं बल विकास विभाग ने भेजी सूची

महिला एवं बाल विकास विभाग कोटा की परियोजना अधिकारी सुरुचि श्याम ने बताया कि जैसे ही विभाग को इस फर्जीवाड़े की जानकारी मिली, 26 शिक्षकों की पत्नियों के नाम और उनके खातों में भेजी गई राशि की सूची विकासखंड शिक्षा अधिकारी को भेजी गई और यह कहा गया कि संबंधित शिक्षक तत्काल राशि विभाग के खाते में जमा करें।

शिक्षकों ने लौटाना शुरू किया पैसा

विकासखंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र मिश्रा का कहना है कि शिक्षकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर राशि जमा करने को कहा गया है। शिक्षकों ने राशि लौटाना शुरू कर दिया है। निर्धारित समयसीमा में भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ वेतन रोकने जैसी कार्रवाई की जाएगी।

जिन शिक्षकों ने उठाया योजना का लाभ उन शिक्षकों के नाम आए हैं सामने

इस मामले में जिन शिक्षकों के नाम सामने आए हैं,उनमें जयद्रथ खुसरो (लूफा), दालसिंह (बहेरामुड़ा), गोवर्धनसिंह पैकरा (दोनासागर),सहोरिक जगत (पोड़ी),नारायणदास मानिकपुरी (लमनाझार),रुस्तम सिंह खुसरो (तेंदुवा),सुखराम गंधर्व (पटैता),राममिलाप (सीस), शिवकुमार जगत (मनपहरी), सत्यनारायण मरावी (धनरास), रमेश साहू (करगीकला), नारायण खांडे (झालापारा), चंदन सिंह धुर्वे (नांगचुवा), गौतम कुमार कुर्रे (परसदा), विजय सतनामी (केकरापारा), कमल सिंह (धौराभाठा), बनवारी लाल (लमरीडबरी), श्यामलाल (नगोई),राजकुमार पाव (ढोलमौहा), कार्तिक यादव (कसईबहरा),सुनील कुमार (मोहंदी),पवन सिंह (ढोलमौहा),शंकरलाल सूर्यवंशी (परसापानी), प्रमोद कुमार साहू (कुंवाजति),हेमपाल पैकरा (टेंगनमाडा) और बसंत कुमार (टेंगनमाडा) के नाम शामिल हैं।

सरकारी नौकरी की बात छुपाई

बताया जा रहा है कि कोटा विकासखंड के विभिन्न स्कूलों में पदस्थ इन शिक्षकों ने अपनी सरकारी नौकरी की जानकारी छिपाकर अपनी पत्नियों के नाम से महतारी वंदन योजना के तहत एक-एक हजार रुपए मासिक की राशि का लाभ दिलवाया,जबकिं शासन के नियमों के अनुसार, किसी भी शासकीय,अर्द्धशासकीय,या संविदा कर्मचारी अथवा उनके परिवारजनों को इस योजना का लाभ देना साफ तौर पर प्रतिबंधित है।

अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं

आश्चर्य की बात यह है कि शिक्षक जैसे जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही नियमों की अनदेखी कर इन योजनाओं को पलीता लगाते रहे हैं। ऐसे में यह मामला केवल राशि वसूली तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की भी जरूरत है। मगर लगता है कि विभाग के अफसर इन शिक्षकों को बचाने की कोशिश में हैं। लोगों का कहना है कि इस मामले की सूक्ष्म जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह का दुस्साहस न कर सके।

कवासी लखमा की जमानत याचिका खारिज

रायपुर,18 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित आबकारी घोटाले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, राजनीतिक गलियारों में हलचल और तेज हो गई है। शुक्रवार को इस मामले में दो बड़ी कानूनी कार्रवाई सामने आई। एक ओर जहां प्रदेश के पूर्व मंत्री कवासी लखमा को हाईकोर्ट से बड़ा झटका मिला, वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। पहले बात कवासी लखमा की। आबकारी घोटाले में जेल में बंद कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री कवासी लखमा की जमानत याचिका को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

महिला डॉक्टर से की दुष्कर्म की कोशिश,आरोपी गिरफ्त में

कोरबा,18 जुलाई 2025 (ए)। शहर के पॉश इलाके में स्थित होटल टॉप इन टाउन में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना सिविल लाइन थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर, एसपी कार्यालय के सामने स्थित होटल में आधी रात के समय हुई। जानकारी के अनुसार,यह वारदात रात लगभग 2 बजे होटल के रूम नंबर 122 में घटी. आरोपी की पहचान होटल के सफाईकर्मी राजा खड़िया (35 वर्ष) के रूप में हुई है,जो खिड़की से कूदकर कमरे में घुसा था.आरोपी ने कमरे में मौजूद महिला डॉक्टर पर चाकू तानकर जान से मारने की धमकी दी और दुष्कर्म की कोशिश की। डॉक्टर ने बहादुरी दिखाते हुए आरोपी का डटकर मुकाबला किया और चीख-पुकार मचाई। उसकी आवाज सुनकर होटल में हड़कंप मच गया। शोर सुनकर आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि सक्ति जिले से चार डॉक्टर कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनिंग के लिए आए हुए थेघटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी की पहचान की गई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कैसे खा गए 8 करोड़ के बोरे बासी,

विधायक मूणत के सवाल पर मंत्री ने बना दी जांच कमेटी

रायपुर,18 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में श्रमिक दिवस के दौरान हुए बोरे-बासी में 8 करोड़ खर्च होने का मामला गूंजा। विधानसभा में आज इस मुद्दे को भाजपा विधायक राजेश मूणत, अजय चंद्राकर और धर्मजीत सिंह ने जोर-शोर से उठाया। विधायकों की मांग पर श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सदन में विधायकों की एक टीम बनाकर जांच कराने की घोषणा की।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)